संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 184
पृष्ठ 8
बुधवार
25 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- प्रेगनेंसी के बाद २० फीसदी...

विचार- ड्रिफ्ट से डिलीवरी तक, राजस्थान...

खेल- क्या पहले खिताब का सपना पूरा...

निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभः सीएम योगी बोले-

## माफिया कोई भी हो, दुस्साहस किया तो यमराज के यहां का टिकट कट रहा

लखनऊ,संवाददाता। दुनिया के कई हिस्सों में जारी अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता और अव्यवस्था के बीच भारत और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश आज निवेश व व्यापार के लिए एक सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद वातावरण के रूप में उभरकर सामने आया है। इसी विश्वास को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 'निवेश मित्र 3.0' सिंगल विंडो सिस्टम के शुभारंभ अवसर पर कहा कि प्रदेश ने बीते 9 वर्षों में पारदर्शी नीतियों, सख्त कानून-व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग-अनुकूल माहौल के जरिए अपनी पहचान को पूरी तरह बदला है। आज उत्तर प्रदेश न केवल निवेशकों के लिए सुरक्षित गंतव्य बना है बल्कि उन्हें स्केलेबल बिजनेस के लिए अनुकूल इकोसिस्टम, विशाल उपभोक्ता बाजार, कुशल युवा मानव संसाधन और औद्योगिक प्रगति का अग्रणी केंद्र बनाया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों का विश्वास ही प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है और इसी विश्वास को मजबूत करने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश में मार्केट-रेडी और इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स उपलब्ध है, यहां बड़ी संख्या में कुशल और युवा मानव संसाधन मौजूद है। भारत का ही नहीं, दुनिया का सबसे अच्छा डेमोग्राफिक डिविडेंड यूपी के पास है। साथ ही यहां विशाल एवं मजबूत कंज्यूमर बेस भी उपलब्ध है, जो निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से आह्वान किया कि वे प्रदेश में खुलकर निवेश करें और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं, क्योंकि यहां स्केलेबल बिजनेस के लिए संभावनाएं और संसाधन उपलब्ध हैं। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और मजबूत करते हुए धारा 80 के तहत लैंड यूज की जटिल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया गया है। अब मास्टर प्लान के तहत नक्शा पास होते ही लैंड यूज स्वतः स्वीकृत माना जाएगा और अलग से किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी। साथ ही 'निवेश मित्र 3.0' को लॉन्च कर 43 से अधिक विभागों की 530 सेवाओं को सरल बनाकर 200 से कम सेवाओं में समेकित किया गया है। इसमें पैन आधारित सिंगल यूजर आईडी, डायनेमिक सीएएफ, एआई चौटबॉट, रियल-टाइम ट्रैकिंग, ऑटोमेटेड अलर्ट और एंड-टू-एंड ऑनलाइन मॉनिटरिंग दी गई हैं। प्लेटफॉर्म एनएसडब्ल्यूएस, आईजीआरएस और जीआईएस लैंड बैंक से एकीकृत होकर निवेशकों को एक सीमलेस, ट्रांसपेरेंट और प्रिडिक्टेबल डिजिटल इकोसिस्टम प्रदान करता है, जिससे निवेश प्रक्रिया पूरी तरह आसान और हस्तक्षेप-मुक्त बन सके।

ान और सीमलेस कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हो रही हैं। जो निवेशक पहले प्रदेश आने से हिचकते थे, आज वही यहां निवेश के लिए आगे आ रहे हैं और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के दौरान आयोजित कार्यक्रम में 45 कंपनियों को इंसेंटिव वितरण और 62 कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट प्रदान किए जाने को प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए बड़ा कदम बताया। इन प्रस्तावों के माध्यम से लगभग 50,000 करोड़ निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे 50 हजार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार एमओयू के बाद तेजी से ग्राउंडब्रेकिंग, निवेश से जुड़े छोटे-छोटे मुद्दों के त्वरित समाधान और उद्योगों के लिए बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्यमियों का विश्वास ही विकास की असली ताकत है और उस पर खरा उतरते हुए उत्तर प्रदेश को निवेश, रोजगार

किसानों को संसद से पीएम का आश्वासनः

## बुवाई में उर्वरक-खाद की कमी नहीं होगी, सरकार हर परिस्थिति में साथ खड़ी है

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के बीच पीएम मोदी ने आज किसानों को संसद से आश्वास्त किया। किसानों को संसद से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, बुवाई में उर्वरक-खाद की कमी नहीं होगी। सरकार हर परिस्थिति में साथ खड़ी है। उन्होंने राज्यसभा में अपने वक्तव्य के दौरान कहा, मैं किसानों को आश्वस्त करता हूं कि सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। बुवाई के मौसम में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक मिल सकें, सरकार ये सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि एक सवाल यह है कि युद्ध का खेती पर क्या प्रभाव होगा। देश के किसानों ने हमारे भंडार भर रखे हैं। हमारे पास पर्याप्त खाद्यान्न हैं। सरकार ने खाद की पर्याप्त व्यवस्था भी की है। खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए सरकार का ध्यान इस पर भी है। कोरोनाकाल में भी दुनियाभर में सप्लाई चेन में दिक्कत आई थी। दुनिया में यूरिया की बोरी 3000 रुपये तक पहुंच गई थी लेकिन हमारे किसानों को वह बोरी 300 रुपये में ही मिली। बीते वर्षों में भारत में छह यूरिया प्लांट शुरू किए गए हैं। इस दौरान डीएनपी और घरेलू यूरिया का उत्पादन बढ़ाया गया। इसी तरह डीएनपी और एनपीके के आयात को भी विस्तार दिया है। पीएम ने कहा कि सरकार ने किसानों को नैनो यूरिया का विकल्प भी दिया है। साथ ही हम जैविक खेती के लिए भी उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं। मैं सदन के माध्यम से किसानों को विश्वास दिलाता हूं कि सरकार किसानों की हरसंभव मदद करती रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगातार अलग-अलग सप्लायर्स से भी संपर्क में है। प्रयास है कि जहां से संभव हो वहां से सप्लाई होती रहे। हमारा प्रयास है कि तेल हो गैस हो, फर्टिलाइजर हो, ऐसे सभी जहाज भारत तक सुरक्षित पहुंचें। हम सभी वैश्विक सहयोगियों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं, ताकि हमारे मैरिटाइम कॉरीडोर सुरक्षित रहें। इन वार्ताओं के चलते होर्मुज में फंसे हमारे कई जहाज भारत आए भी हैं।

## मोदी के राज में अब वक्त बदल चुका है

जम्मू-कश्मीर,एजेंसी। दशकों तक कश्मीर में आतंकवाद से प्रभावित परिवार हाशिये पर रहे लेकिन अब वक्त बदल चुका है और मोदी सरकार तथा उपराज्यपाल प्रशासन आतंकवाद प्रभावित परिवारों की तेजी से सुध ले रही है। हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि 2025 से अब तक आतंकवाद से पीड़ित 438 परिवारों के सदस्यों को नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह महज एक आंकड़ा नहीं बल्कि उन परिवारों की 'बिखरी हुई दुनिया' को समेटने का प्रयास है जिन्होंने हिंसा में अपने प्रियजनों को खो दिया है। मनोज सिन्हा ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे प्रत्येक मामले उन घरों का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां 'हंसी की जगह सन्नाटा छा गया था' और उन परिवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हें वर्षों तक खुद का भरण-पोषण करना पड़ा, अक्सर व्यक्तिगत नुकसान के अलावा सामाजिक उपेक्षा का भी सामना करना पड़ा। हम आपको बता दें कि उप राज्यपाल ने आतंकवाद के पीड़ितों के 37 परिजनों और सेवा के दौरान जान गंवाने वाले सरकारी कर्मचारियों के 29 परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे। उपराज्यपाल ने आतंकवाद के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकवाद के तंत्र और उसके समर्थकों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लिया। मनोज सिन्हा ने कहा, ''मैं आतंकी हमलों के पीड़ितों के परिवारों को आश्वस्त करता हूं कि हम उनके गरिमापूर्ण और सम्मानजनक जीवन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। हम उनके प्रति अपने हर कर्तव्य को पूरी गंभीरता से निभाएंगे और तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक हर परिवार को न्याय नहीं मिल जाता।'' उपराज्यपाल ने कहा कि आतंकी हमलों के पीड़ितों के परिवारों के लिए न्याय केवल सजा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जख्मों को भरने और गरिमा को बहाल करना भी शामिल है। मनोज सिन्हा ने आरोप लगाया कि दशकों तक आतंकवाद से प्रभावित परिवारों को हाशिए पर रखा गया, जबकि आतंकी नेटवर्क से जुड़े तत्वों को कथित तौर पर संरक्षण और लाभ मिलते रहे।

राहुल गांधी बोले-

## यह सांविधानिक अधिकारों पर सीधा हमला

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की ओर से लाया गया ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) विधेयक सांविधानिक अधिकारोंऔर ट्रांसजेंडर लोगों की पहचान पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस विधेयक का पूरी तरह विरोध करती है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्सश पर लिखा कि प्रस्तावित कानून ट्रांसजेंडर लोगों के मूल अधिकारों को कमजोर करता है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार का ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों के सांविधानिक अधिकारों और पहचान पर खुला हमला है। उन्होंने लिखा कि यह विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों की खुद की पहचान का अधिकार छीन लेता है, जो सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह विधेयक भारत में ट्रांसजेंडर समुदायों की विविध सांस्कृतिक पहचान को खत्म करता है और लोगों को मेडिकल बोर्ड के सामने श्अमानवीय जांचश से गुजरने के लिए मजबूर करता है। राहुल गांधी ने उन प्रावधानों की भी आलोचना की, जिनमें उनके अनुसार बिना पर्याप्त सुरक्षा के आपराधिक दंड और निगरानी की व्यवस्था की गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सरकार ने इस विधेयक को लाने से पहले ट्रांसजेंडर समुदाय से कोई परामर्श नहीं किया और ऐसा विधेयक लाई है, जो उनकी सुरक्षा के बजाय उन्हें कलंकित करता है। उन्होंने आगे कहा, संविधान प्रत्येक भारतीय के जीवन, स्वतंत्रता, पहचान और गरिमा के अधिकार की रक्षा करता है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच बोली सरकार

## एलपीजी की डिलिवरी सामान्य, पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान देश में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति स्थिति पर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। साथ ही, सिटी गैस वितरण संस्थाओं को पीएनजी कनेक्शन के विस्तार के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। हालांकि, बड़ी संख्या में कार्गो लाइन में लगे हुए हैं। देश भर के एलपीजी वितरकों के पास किसी भी तरह की कमी की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दिनों कुछ घबराहट में बुकिंग देखी गई थी। लेकिन एलपीजी की डिलीवरी सामान्य बनी हुई है। मंत्रालय ने आश्वस्त किया

है कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति भी पर्याप्त मात्रा में हो रही है। सभी घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर नियमित रूप से दिए जा रहे हैं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी की आपूर्ति शत प्रतिशत सुनिश्चित की गई है।

शर्मा ने स्पष्ट किया कि सभी खुदरा दुकानों पर सामान्य परिचालन जारी है। उन्होंने दोहराया कि ईंधन स्टेशनों पर पर्याप्त पेट्रोल और डीजल उपलब्ध है। उन्होंने आम जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील की। साथ ही, घबराहट में खरीदारी से बचने का आग्रह किया। यह सुनिश्चित किया गया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनआरजीबी) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इस आदेश में सभी सिटी गैस वितरण संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं। उन्हें आवासीय स्कूलों, कॉलेजों और छात्रावासों को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने होंगे। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक रसोई और आंगनवाड़ी रसोई को भी पांच दिनों के भीतर कनेक्शन देने को कहा गया है। यह निर्देश उन सभी स्थानों पर लागू होगा जहां पाइपलाइन का बुनियादी ढांचा पास में उपलब्ध है।

प्रेस वार्ता के दौरान पोत व परिहन मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश सिन्हा ने कहा, खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय जहाज और नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में कोई समुद्री घटना दर्ज नहीं की गई है। कल देर शाम, भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी वाहक जहाज, पाइन गैस और जग वसंत, दोनों एलपीजी से भरे हुए हैं। दोनों जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। पाइन गैस 45,000 मीट्रिक टन एलपीजी ले जा रहा है और संभवतः 27 मार्च की सुबह न्यू मैंगलोर बंदरगाह पर पहुंचेगा। दूसरा एलपीजी वाहक जहाज, जग वसंत, लगभग 47,600 मीट्रिक टन एलपीजी ले जा रहा है और कांडला की ओर बढ़ रहा है, जिसके 26 मार्च को पहुंचने का अनुमान है।

## अब टिकट बुक कराना और कैंसल कराना हुआ आसान

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की जीवनरेखा कही जाने वाली भारतीय रेलवे बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में रेलवे को आधुनिक, तेज और यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए जा रहे हैं। इन सुधारों का उद्देश्य केवल ढांचा मजबूत करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों को बेहतर सेवा देना भी है। हम आपको बता दें कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं जिनमें रेलवे द्वारा टिकट बुकिंग और रद्दीकरण से जुड़े नियमों में भी बदलाव भी शामिल हैं। इसके तहत अब चार्ट तैयार होने का समय पहले की तुलना में बढ़ाकर लगभग 9 से 18 घंटे पहले कर दिया गया है, जिससे यात्रियों को अपनी यात्रा योजना में बदलाव करने का अधिक समय मिलेगा। इसके साथ ही टिकट रद्द करने और धन वापसी की प्रक्रिया को सरल और यात्री हितैषी बनाया गया है। दूसरी ओर, ट्रेन में चढ़ने के स्टेशन यानि बोर्डिंग स्टेशन को बदलने की सुविधा भी दी गई है, जिससे यात्री अपनी सुविधा के अनुसार निर्धारित स्टेशन से पहले या बाद के स्टेशन से यात्रा शुरू कर सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए लाभकारी है जिनकी यात्रा योजनाएं अचानक बदल जाती हैं, जिससे उन्हें टिकट रद्द करने की जरूरत नहीं पड़ती और समय तथा धन दोनों की बचत होती है।

रेल मंत्री की ओर से घोषित अन्य सुधारों की बात करें तो सबसे पहले माल परिवहन सुधारों की चर्चा करते हैं। इनमें नमक परिवहन में बड़े बदलाव किए गए हैं। गौरतलब है कि भारत दुनिया के प्रमुख नमक उत्पादकों में शामिल है, जहां हर साल लगभग 35 मिलियन टन नमक का उत्पादन होता है और करीब 9.2 मिलियन टन नमक रेलवे के जरिए ढोया जाता है। पहले खुले डिब्बों में नमक ढोने से जंग लगने, नुकसान और बार-बार लोडिंग अनलोडिंग जैसी समस्याएं सामने आती थीं। अब रेलवे ने विशेष कंटेनर आधारित प्रणाली शुरू की है, जिससे नमक को सुरक्षित तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सकेगा। इससे माल की गुणवत्ता बनी रहेगी और नुकसान भी कम होगा। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। देश में हर साल लगभग 31 मिलियन वाहनों का उत्पादन होता है, जिसमें 5 मिलियन यात्री वाहन शामिल हैं। पहले सीमित क्षमता वाले डिब्बों के कारण वाहनों के परिवहन में दिक्कत और नुकसान का खतरा रहता था। अब रेलवे ने सिंगल और डबल स्टैक विशेष वैगन शुरू किए हैं, जिससे अधिक संख्या में वाहनों को एक साथ सुरक्षित ढंग से ले जाया जा सकेगा। इससे परिवहन लागत घटेगी और उद्योग को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुधार के लिए भी कई सख्त कदम उठाए गए हैं।

## केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नहीं बनेगा अलग मंत्रालय, सरकार ने बताया- पुराने तरीके से होगा विकास

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन और सीमावर्ती इलाकों के विकास को लेकर सरकार ने लोकसभा में अपनी स्थिति साफ कर दी है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि फिलहाल केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अलग मंत्रालय या नई नीति बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। वहीं, सीमा से सटे क्षेत्रों में विकास के लिए चल रही योजनाओं के जरिए बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। सरकार का कहना है कि मौजूदा व्यवस्था के तहत ही योजनाओं का प्रभावी संचालन और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का काम जारी है। नित्यानंद राय ने आगे बताया कि देश के केंद्र शासित प्रदेशों का प्रशासन संविधान के अनुच्छेद 239 से 241 के तहत किया जाता है। उन्होंने कहा कि अभी सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है, जिसमें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अलग मंत्रालय, विशेष समिति या नई नीति बनाई जाए। उन्होंने बताया कि फिलहाल विभिन्न मंत्रालयों के बीच नियमित बातचीत और समन्वय से ही योजनाएं बनाई और लागू की जाती हैं।

## दबिश देकर लौट रही नैनी पुलिस की गाड़ी डिवाइडर से टकराकर पलटी, तीन दरोगा समेत पांच घायल

प्रयागराज। दबिश देकर वापस लौट रही नैनी थाने की टीम की गाड़ी शिवकुटी थाना क्षेत्र के तेलियरगंज में डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे उस पर सवार तीन दरोगा समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दबिश देकर वापस लौट रही नैनी थाने की टीम की गाड़ी शिवकुटी थाना क्षेत्र के तेलियरगंज में डिवाइडर से

टकराकर पलट गई, जिससे उस पर सवार तीन दरोगा समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नैनी थाने में तैनात दरोगा हर्ष कुमार, धर्मेंद्र कुमार, बलिराम और महिला सिपाही संगीता समेत पांच लोग दबिश के लिए गए थे। वापस लौटते समय तेलियरगंज के समीप गाड़ी डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे उस पर सवार पांचों लोग घायल हो गए।

## लेखपाल पर पांच लाख रिश्वत लेने का आरोप, डीएम ने किया निलंबित

प्रयागराज। संपूर्ण समाधान दिवस में सोमवार को डीएम मनीष कुमार ने काम कराने के एवज में पांच लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में लेखपाल निलंबित कर दिया। साथ ही एडीएम सिटी को मामले की जांच सौंप दी है। ग्राम हटवा तहसील सदर निवासी अबु हुजैफा ने शिकायत की थी कि लेखपाल सुशील शुक्ला ने प्रार्थी से उनकी जमीन की पुनः माप कराकर अराजी कब्जा मुक्त कराने से संबंधित कार्य कराने के नाम पर पांच लाख रुपये लिए लेकिन प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं की। मांगने पर लेखपाल ने पैसा वापस नहीं किए और फोन भी उठाना बंद कर दिया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्र को जांच करने और लेखपाल सुशील शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस पर तहसील सदर में कुल 102 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से आठ का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अफसरों को निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में आए हुए वरासत, अवैध कब्जा व अन्य शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य, अपर जिलाधिकारी (नगर) सत्यम मिश्र, उपजिलाधिकारी सदर अभिषेक सिंह, तहसीलदार अनिल पाठक, परियोजना निदेशक भूपेंद्र कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी जीपी कुशवाहा, जिला पंचायतराज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिलापूर्ति अधिकारी सुनील कुमार मौजूद रहे।

## एसएससी ने जूनियर इंजीनियर और सीएचएसएल की परीक्षा तिथि की घोषित

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जूनियर इंजीनियर परीक्षा–2025 के पेपर दो और सीएचएसएल (टियर–प्प) की परीक्षा तिथि घोषित की है। आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार जूनियर इंजीनियर भर्ती का दूसरा पेपर सात अप्रैल को होगा। परीक्षा के शहर की जानकारी 27 मार्च को आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। चार अप्रैल को प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। वहीं, सीएचएसएल (टियर–प्प) की परीक्षा 10 अप्रैल को होगी। शहर की जानकारी एक अप्रैल को वेबसाइट पर दी जाएगी। एडमिट कार्ड सात अप्रैल को जारी किया जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि दिव्यांग अभ्यर्थी स्क्राइब लाने वाले उम्मीदवारों का नए सिरे से पंजीकरण कराएंगे। पांच नवंबर 2025 से पहले के स्क्राइब पंजीकरण निरस्त कर दिए गए हैं। स्क्राइब पंजीकरण को अब आधार प्रमाणीकरण से जोड़ा गया है। जूनियर इंजीनियर के दिव्यांग अभ्यर्थी तीन अप्रैल और सीएचएसएल के दिव्यांग अभ्यर्थी पांच अप्रैल रात 11 बजे तक स्क्राइब मैपिंग पूरी कर सकते हैं। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर लॉग–इन कर विवरण देख सकते हैं।

## जंक्शन पर फर्जीवाड़ा, असली टिकट स्कैन कर बेच रहे थे फर्जी टिकट

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग (एटीवीएम) पर तैनात फैसिलिटेटर (सहायक) असली टिकटों की स्कैनिंग कर उनकी कई प्रतियां तैयार कर (फर्जी टिकट) यात्रियों को बेच रहे थे। चेकिंग के दौरान जब दो यात्रियों के टिकट का नंबर एक ही निकला तो एनसीआर की विजिलेंस टीम की रिपोर्ट पर दो फैसिलिटेटर समेत तीन लोगों के खिलाफ जीआरपी थाने एफआईआर दर्ज की गई।

एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि शुक्रवार 20 मार्च को प्रयागराज– अहमदाबाद सुपरफास्ट ट्रेन यहां से रवाना हुई। अगले दिन इस ट्रेन (गाड़ी नंबर 22968) के यात्री जब अहमदाबाद पहुंचे तो वहां चेकिंग के दौरान दो यात्रियों के पास एक ही नंबर का टिकट मिला। मामले की सूचना अहमदाबाद चेकिंग स्टाफ ने एनसीआर मुख्यालय को भेजी। सूचना मिलते ही एनसीआर की विजिलेंस टीम ने जांच शुरू की। सीनियर डीसीएम हरिमोहन ने बीते तीन महीनों में जारी किए गए सभी टिकटों और फैसिलिटेटर के कामकाज का रिकॉर्ड तलब किया। सोमवार को जांच में सामने आया कि फैसिलिटेटर विनय शुक्ला ने 20 मार्च को एटीवीएम से अहमदाबाद और सूरत के लिए 11 टिकट बुक कराए थे। इसके बाद जंक्शन पर तैनात दूसरे फैसिलिटेटर गौरव पांडेय ने इन असली टिकटों को चौक इलाके के रहने वाले फहाद से स्कैन कराया। गिरोह ने इन टिकटों की पांच–पांच प्रतियां प्रिंट कीं। शातिरों ने असली टिकटों को काउंटर पर वापस जमा कर उनकी धनराशि निकाल ली और यात्रियों को नकली टिकट थमाकर रकम ऐंठ ली।

फर्जीवाड़े की पुष्टि होने पर दर्ज एफआईआर

– फर्जीवाड़े की पुष्टि होने के बाद जंक्शन पर तैनात मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक कौशलेंद्र कुमार मिश्र ने जीआरपी थाने में तहरीर दी। पुलिस ने गौरव पांडेय, विनय शुक्ला और फहाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

फैसिलिटेटर को अनुबंध के आधार पर मिलता है कमीशन

– एटीवीएम पर रेलवे द्वारा फैसिलिटेटर की नियुक्ति की जाती है। अनुबंध के आधार पर फैसिलिटेटर को हर टिकट की बिक्री के आधार पर कमीशन मिलता है।

### कोल्ड स्टोर हादसे की आंखों देखी:

# अमोनिया गैस की दुर्गंध, गुबार से भागने लगे थे लोग, उखड़ने लगी थीं सांसें

प्रयागराज। आदर्श कोल्ड स्टोर की इमारत ढहने से अमोनिया गैस का रिसाव हुआ। इससे इलाके में तेज दुर्गंध फैली, लोगों को सांस लेने में तकलीफ हुई और लखनऊ मार्ग पर यातायात बाधित रहा।

आदर्श कोल्ड स्टोर की इमारत ढहने के बाद अमोनिया गैस के रिसाव से इलाके में तेज दुर्गंध फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि लोगों की आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। चारों ओर धूल और धुएं के कारण दृश्यता भी काफी कम हो गई थी। कई घरों में देर तक गैस की बदबू बनी रही।

कुछ लोगों ने मुंह पर रुमाल लगाया तो कुछ लोगों ने मास्क का प्रयोग किया। वहीं, राहत बचाव के लिए पहुंचे पुलिस के अधिकारी और एसडीआरएफ के जवानों को मास्क का प्रयोग करना पड़ा।

उधर, लखनऊ जाने वाले मार्ग से गुजरने वालों को भी दिक्कत हुई। परिवार के साथ लखनऊ जा रहे रीतेश श्रीवास्तव ने बताया कि हादसे के वक्त घटनास्थल के करीब ही थे। अचानक धुआं और गुबार फैलते ही लोग सड़क की ओर भागने लगे। इससे जाम लग गया और काफी देर तक यातायात बाधित रहा।

10 जेसीबी, एक पोकलैंड... पूरी रात चला रेस्क्यू

चंदापुर गांव में सोमवार दोपहर हुआ हादसा रातभर लोगों की सांसें अटका गया। मलबे में दबे मजदूरों को निकालने के लिए प्रशासन ने तुरंत मोर्चा संभाला, लेकिन हालात इतने भयावह थे कि रेस्क्यू ऑपरेशन देर रात तक लगातार चलता रहा।

10 जेसीबी मशीनें और एक पोकलैंड भारी मशीन की मदद से मलबा हटाया गया। मशीनों की तेज गर्जना पूरे गांव में गूंजती रही, मानो हर आवाज किसी की जिंदगी बचाने की जद्दोजहद बयां कर रही हो। मौके पर राहत और बचाव टीमों के साथ पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी डटे रहे। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के भारी संख्या में जवान देर रात तक रेस्क्यू के लिए लिए डटे रहे।

कोल्ड स्टोर के बाहर इंतजार की लंबी रात

हादसे के बाद सबसे मार्मिक दृश्य कोल्ड स्टोर के बाहर देखने को मिला। जिंदा बचे मजदूरों और परिजनों की आंखें अपनों की एक झलक पाने को टकटकी लगाए रहीं। कोई हाथ जोड़कर सलामती की दुआ कर रहा था तो कोई हर निकलते स्ट्रेचर पर भय के साथ उम्मीद की निगाहों से देख रहा था।

घंटों तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कई मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिसमें से एक सकुशल था। फिलहाल, गांव में सन्नाटा पसरा है, लेकिन हर घर में एक ही दुआ है कि मलबे में फंसे लोग सकुशल बाहर आ जाएं।

स्थानीय लोगों ने की मदद

चंदापुर गांव में हुए इस हादसे ने प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। संकरी जगह, भारी मलबा और अंधेरा तीनों ने राहत कार्य को मुश्किल बना दिया। इसके बावजूद स्थानीय लोगों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ने भी पूरी रात रेस्क्यू के लिए लगे प्रशासनिक अधिकारियों का साथ दिया और हर संभव मदद पहुंचाई।

पानी की बौछारों से काबू में लाई गई अमोनिया गैस

अमोनिया गैस के रिसाव की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड कर्मियों ने पानी की बौछारों कर गैस के प्रभाव को नियंत्रित किया। मौके पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्र मोहन शर्मा, अग्निशमन अधिकारी राजेश कुमार समेत अन्य अधिकारी पहुंचे।

गैस का फैलाव रोकने के लिए सोरांव, नवाबगंज, फाफामऊ, सिविल लाइंस व एयरफोर्स से आठ गाड़ियां बुलाई गईं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि विशेषज्ञों की देखरेख में रिसाव वाले क्षेत्र पर पानी की तेज बौछारों के जरिये गैस के फैलाव को रोका गया। इस प्रक्रिया में कई घंटे लगे।

# कोल्ड स्टोरेज मामले में जिला उद्यान अधिकारी पर गिरेगी गाज, मंत्री ने निलंबित करने का दिया निर्देश

प्रयागराज। फाफामऊ स्थित चंदापुर गांव में हुए कोल्ड स्टोरेज हादसे के मामले में अब प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है। प्रदेश के खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला उद्यान अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं।

फाफामऊ स्थित चंदापुर गांव में हुए कोल्ड स्टोरेज हादसे के मामले में अब प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है। प्रदेश के खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला उद्यान अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आई है और जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद से ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा हुआ है और अन्य संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

उधर, पुलिस ने कोल्ड स्टोरेज के मालिक पूर्व मंत्री और सपा नेता अंसार अहमद को भी गिरफ्तार कर लिया है। पूर्व मंत्री के खिलाफ विभिन्न संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। कोल्ड स्टोरेज धराशायी होने से चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जन भर से अधिक लोगों की हालत नाजुक बनी है। जिनका उपचार एसआरएन अस्पताल में चल रहा है।

मलबा हटते ही आलू की मची लूट, सरकारी गाड़ी भी आई नजर

प्रयागराज के फाफामऊ क्षेत्र के चांदपुर गांव में सोमवार को कोल्ड स्टोर हादसे के बाद अजीब स्थिति देखने को मिली। जैसे ही मलबा हटाया गया, आसपास के लोग आलू के बोरों पर टूट पड़े। मौके पर अफरा–तफरी के बीच कुछ लोग बोरे उठाकर ले जाते दिखे। हैरानी की बात यह रही कि एक सरकारी गाड़ी भी आलू के बोरे लादते हुए नजर आई। जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मलबा हटने के बाद भी हलचल जारी, राहत–बचाव के साथ आलू लूट पर सख्ती

फाफामऊ के चंदापुर गांव स्थित कोल्ड स्टोर हादसे के दूसरे दिन मंगलवार को भी मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। प्रशासन की टीमों ने रातभर मलबा हटाने का काम किया, जबकि सुबह होते ही एक बार फिर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हालांकि आज पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है, जिससे स्थिति पहले के मुकाबले नियंत्रित दिख रही है।

सुबह का मंजरः मशीनें चल रहीं, नजरें मलबे पर

सुबह से जेसीबी और अन्य मशीनों के जरिए मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। प्रशासन का दावा है कि अंदर फंसे लोगों की तलाश लगभग पूरी कर ली गई है, लेकिन एहतियात के तौर पर हर हिस्से की जांच की जा रही है।

भीड़ पर नियंत्रण, 'लूट' रोकने को सख्ती

सोमवार को मलबा हटने के बाद आलू के बोरों की मची लूट की तस्वीरें सामने आने के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। आज मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बिना अनुमति किसी को भी कोल्ड स्टोर परिसर में जाने नहीं दिया जा रहा।

पीड़ित परिवारों में बेचैनी, मुआवजे की मांग तेज

हादसे में प्रभावित परिवारों के लोग अब भी मौके के आसपास डटे हुए हैं। कई परिजन अपने लापता सदस्यों की जानकारी के लिए अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं। वहीं, मुआवजे और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग भी तेज हो गई है।

प्रशासन का दावाः जांच के बाद होगी कड़ी कार्रवाई

मंगलवार को मौके पर पहुंची मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने हादसे के कारणों की बारीकियों की जांच की बात कही है। प्रारंभिक तौर पर निर्माण और सुरक्षा मानकों में लापरवाही की बात सामने आ रही है। दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

## विद्या सागर सम्मान से सम्मानित हुए लखनऊ के डा. अजय वर्मा साथी

वाराणसी। वाराणसी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय तीन दिवसीय भारत नेपाल साहित्यिक सांस्कृतिक काव्य महाकुंभ में साहित्य–सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले कई विभूतियों को काशी हिन्दी विद्यापीठ द्वारा विद्या–वाचस्पति और विद्या–सागर सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में झंअप साथी (महफ़िल कलम के दीवानों की) के संस्थापक डॉ. अजय वर्मा "साथीष जी को "विद्या–सागरष सम्मान से अलंकृत किया गया। साथी जी गोरखपुर के रहने वाले हैं,जो वर्तमान में लखनऊ में रहते हैं। साथी जी का साहित्य के प्रति एक गहरा लगाव है। साहित्य साधना और साहित्य सेवा के एक लंबे कालखंड में उन्होंने एक से बढ़कर एक आयोजन को आयोजित किया। और इसके साथ ही इनका आयोजन निरंतर चलता रहता है। इनके इस सम्मान के दौरान डॉ. ओम पाल निडर जी की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने अजय जी को उनके उज्जवल भविष्य की लिए आशीर्वाद दिया और उनके साहित्यिक कार्यों की सराहना की। वर्मा जी के इस सम्मान से इनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। लोग इन्हें दीर्घायु और निरन्तर ऊंचाइयों को छूने की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

## सीएमओ कार्यालय में रिश्वतखोरी: बाबू रंगे हाथ गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई

मथुरा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में एंटी करप्शन टीम ने एक बाबू को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी बाबू दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर रिश्वत की मांग कर रहा था। जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक ने बाबू की रिश्वत मांगने की शिकायत एंटी करप्शन टीम से की थी। शिकायत मिलने के बाद टीम ने जाल बिछाया। मंगलवार को जब युवक सर्टिफिकेट बनवाने के लिए कार्यालय

पहुंचा और बाबू को रिश्वत दी, तभी टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से रिश्वत की रकम भी बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शशिकांत वर्मा के रूप में हुई है, जो सीएमओ कार्यालय के विकलांग विभाग में तैनात था। बताया गया है कि उसके खिलाफ पहले भी इस तरह की शिकायतें मिल रही थीं। कार्रवाई के बाद एंटी करप्शन टीम आरोपी को अपने साथ ले गई और आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही विभाग के एक अन्य कर्मचारी को भी 2 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था, जिससे विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं।

## मत्स्य पालन के लिए तालाब का पट्टा करने से भड़के ग्रामीण

प्रयागराज। रामगढ़ कोठारी गांव में मत्स्य पालन के लिए तालाब की खोदाई करने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने काम को रुकवा दिया और तहसील में प्रदर्शन करते हुए एसडीएम फूलपुर को ज्ञापन सौंपा। एसडीएम ने जांच करवा कर पट्टा निरस्त करने का आश्वासन दिया तो लोग शांत हुए। बता दें की रामगढ़ कोठारी में ब्राह्मण बस्ती के बीच में छह बीघे का तालाब है। इसके चारों तरफ कई प्राचीन मंदिर और रामलीला मंच का निर्माण हुआ है। रविवार को जेसीबी मशीन लगवा कर तालाब की खुदाई की जाने लगी तो ग्रामीणों ने सोचा कि ग्राम प्रधान द्वारा तालाब का सौंदर्यीकरण करने के लिए मिट्टी की खुदाई करवाई जा रही है। लेकिन बाद में पता चला कि तालाब को मत्स्य पालन हेतु तहसील प्रशासन द्वारा पट्टा कर दिया गया है। मत्स्य पालन के लिए पट्टा किए जाने की खबर गांव में फैली तो लोग आक्रोशित हो गए और मौके पर पहुंचकर काम को रुकवा दिया। ग्राम प्रधान सरोजा देवी ने बताया कि तालाब को सौंदर्यीकरण योजना में प्रस्तावित किया गया है और उस पर मनरेगा से काम होना है। लेकिन इसी बीच बिना किसी जानकारी के तालाब की खुदाई की जा रही है। हल्का लेखपाल मनीष मिश्रा से पूछने पर बताया गया कि तहसील प्रशासन द्वारा मत्स्य पालन हेतु किसी को पट्टा दिया गया है। आक्रोशित ग्रामीण ग्राम प्रधान सरोजा देवी के नेतृत्व में काम को बंद करवा कर सोमवार को तहसील पहुंचे और मत्स्य पालन का विरोध करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने एसडीएम फूलपुर जूही प्रसाद को ज्ञापन सौंप कर मत्स्य पालन का पट्टा निरस्त करने के लिए मांग की। एसडीएम ने मामले की जांच करवा कर पट्टा निरस्त करने का आश्वासन दिया तब लोग किसी तरह से शांत हुए।

## यूपी बोर्ड का शैक्षिक कैलेंडर जारी, हफ्ते में एक दिन अंग्रेजी में होगी प्रार्थना

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शैक्षिक सत्र 2026–27 का कैलेंडर सोमवार को जारी किया है। इसमें सप्ताह में एक दिन प्रार्थना अंग्रेजी भाषा में करने या किसी विद्यालय में अन्य भाषा प्रचलित हो तो उसमें करने का प्रावधान किया है। विद्यार्थियों में स्क्रीन टाइम कम करने और समाचार पत्र पढ़ने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से प्रार्थना सभा में रोजाना प्रमुख खबरों को पढ़वाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही कठिन शब्दों के उच्चारण, अर्थ और वाक्य प्रयोग भी बताए जाएंगे। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि कैलेंडर के अनुपालन के निर्देश सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि नए सत्र में विद्यार्थियों को मोबाइल के दुष्प्रभावों और ऑनलाइन गेम्स के कुप्रभाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में नया सवेरा कार्यक्रम के तहत शिक्षा अधिकारी विद्यालयों में दो दिन प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों से जीवन मूल्यों, अनुशासन, कॅरिअर और दिनचर्या पर संवाद करेंगे। इसमें अभिभावकों और पूर्व छात्रों को भी आमंत्रित किया जाएगा। शिक्षण प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए हैंड्स–ऑन एक्टिविटीज, एक्सपीरिएंशियल लर्निंग, वैज्ञानिक प्रयोग, गणितीय खेल और प्रयोगशाला गतिविधियों को शामिल किया जाएगा। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सप्ताह में एक दिन योग और ध्यान का आयोजन भी किया जाएगा। सभी विद्यालयों में परिषद द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से ही पठन–पाठन कराया जाएगा। इसके अलावा साइबर क्लब और बालिकाओं के लिए शक्ति मंच का गठन भी किया जाएगा।

## अधिवक्ताओं के कार्य बहिष्कार की सूचना पर डीएम के आने का कायक्रम रदद

प्रयागराज। तहसील में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का कार्यक्रम सुनिश्चित था, जिसकी अध्यक्षता डीएम मनीष वर्मा को करनी थी, लेकिन कोरांव बार काउंसिल के एक पूर्व अध्यक्ष के हमलावरों की गिरफ्तारी न होने से नाराज वकीलों ने उनके पहुंचने के पहले ही एसडीएम अनिमेष वर्मा के सामने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद उप निबंधक कार्यालय छोड़कर सभी कार्यालयो में तालाबंदी कर दी। पुलिस और वकीलों में कहासुनी होने के बाद माहौल बिगडने के कारण संपूर्ण समाधान दिवस काफी देर तक रोक दिया गया। जिसके कारण दूर दराज से आये अधिकांश फरियादियो को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। इस दौरान कुछ देर बाद नायब तहसीलदार डैया राममूर्ति ने अध्यक्षता की, तब तक 187 शिकायतें आ चुकी थी।

## सपा नेता के बेटे का हृदयगति रुकने से निधन

प्रयागराज। मेजारोड के सपा नेता लल्लन सिंह के बेटे अशोक कुमार सिंह (55) की हृदयगति रुकने से सोमवार को मौत हो गई। वह भूईपारा ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान थे। अचानक हुई मौत से घर में कोहराम मच गया। सोमवार दोपहर अशोक कुमार सिंह को अचानक सीने में दर्द हुआ। परिजन तत्काल उन्हें अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह और प्रयागराज सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

## बेलन नहर मेजा शाखा के पुनरोद्धार से हर खेत तक पहुंचेगा पानी: विधायक कोल

प्रयागराज। कोरांव विधायक राजमणि कोल ने सोमवार को विधानसभा कोरांव के गजाधरपुर गांव में बेलन नहर के मेजा शाखा के पुनरोद्धार का शुभारंभ किया। विधायक ने बेलन नहर के पुनरोद्धार कार्य का शुभारंभ करते हुए कहा कि मेजा शाखा नहर के पुनरोद्धार से जिन खेतों में भी पानी नहीं पहुंचता था, उन खेतों में भी पानी पहुंचेगा। विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार हर किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। सहायक अभियंता अरविंद कुमार राय ने बताया कि मेजा शाखा नहर की 22.720 किलोमीटर का पुनरोद्धार होगा। मौके पर बीएल सिंह, पंकज कुमार, बबुआन द्विवेदी, करुणेन्द्र श्रीवास्तव और अखंड पांडेय आदि मौजूद रहे। वहीं कोहड़ारघाट क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विधायक राजमणि कोल ने स्थानीय महिलाओं और ग्रामीणों से संवाद किया। विधायक ने कहा कि सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे।

## विश्वनाथ में चैती छठ की धूम

–36 घंटा निर्जला व्रत रखकर व्रतधारियों ने संध्याकालीन भास्कर को किया अर्घ्य अर्पित

विश्वनाथ, असम। आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा में व्रतधारी 36 घंटा निर्जला व्रत रखकर आज अपराह्न 3 बजे छठ घाट में माथा पर टोकरी–सूप लेकर आते हुए नज़र आए। इधर विश्वनाथ चारिआलि शहर के बहु बाजार में स्थित श्री श्री केंद्रीय छठ पूजा समिति के छठ घाटों में व्रतधारी पहुंचकर वेदी में कलश स्थापना कर वेदी पूजन किया। दीप प्रज्जवलित कर



विभिन्न ऋतु फल तथा ढेकुआ से सजे सूप – दौरा को सूर्य देव को अर्पित किया। व्रतधारी ने देश में सुख, समृद्धि , खुशहाली और देश को परंम वैभवशाली बनाने की छठी मइया से कामना की। इधर व्रतधारी छठी मइया के सुमधुर पारंपरिक गीत गाते हुए नज़र आए। बादल से घिरे हुए सूर्य देव को व्रतधारी ने संध्याकालीन अर्घ्य अर्पित किया। इस मौके पर पुजारी रामानंद ओझा, पत्रकार संतोष कुमार महतो, रौनियार महिला एकता संगठन विश्वनाथ चारिआलि के कोषाध्यक्ष रानी रौनियार, समाजसेवी संजय सिंह, गणेश महतो, अमीत गुप्ता, खराशिमलू हाई स्कूल के हिंदी शिक्षिका गायत्री कलवार और असंख्य श्रद्धालु मौजूद थे।खुशी से बच्चे बम– फटाके फोड़ते हुए दिखे गए। जानकारी के अनुसार प्रायः व्रतियों ने चैती छठ का पूजा अपने घर में की और सूर्य देव को अर्घ्य देकर मंगलमय की कामना की।

## पर्यावरण संरक्षण के वैदिक उपायों पर द्विदिवसीय व्याख्यानमाला का समापन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के गंगा सभागार में पर्यावरण संरक्षण के वैदिक उपायों पर दो दिवसीय व्याख्यानमाला का समापन आज दिनांक 24.03. 2026 को हुआ। आज के व्याख्यान सत्र अध्यक्षता परिसर के निदेशक एवं अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। व्याख्यानमाला के दूसरे दिन श्री लालबहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक ने वैदिक पर्यावरण विमर्श विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत कर उपस्थित छात्र–छात्राओं को लाभान्वित किया। इसी क्रम में श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय, तिरुपति के कुलपति प्रो. सन्निधान



सुदर्शन शर्मा ने पर्यावरण रक्षण के विविध वैदिक उपायों के सम्बन्ध में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में वेदों के उद्दरण के साथ पर्यावरण संरक्षण के महत्व एवं उपायों का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत किया। परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने व्याख्यानमाला की सफलता के लिए समस्त उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. मनोज कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर परिसर के वरिष्ठ आचार्य प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय "मणि", धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", सहायकाचार्य डॉ. राजकुमार मिश्र, सहायकाचार्य डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, सहायकाचार्य अंकित मिश्र, संगणक विशेषज्ञ एवं परिसर मीडिया प्रभारी राजेशकान्त तिवारी, सन्दीप कुमार, राजीव कुमार समेत परिसरीय अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।


उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.- ETCHG-66-विद्युत/कोचिंग-प्रया./2025-26 दिनांक: 23.03.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (कोचिंग) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फार्म पर E-Tender दिनांक 15.04.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा के सम्बन्ध में मुख्य सूचनायें निम्नवत् हैं:-

निविदा सं.- ETCHG-66, | निविदा खुलने की तिथि : 15.04.2026

कार्य का नाम: प्रयागराज मंडल में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के पावर कार हेतु विद्युत जल लोड परीक्षण उपकरण का निर्माण, आपूर्ति, स्थापना एवं परीक्षण तथा 60 केवीए ट्रांसफॉर्मर सहित 3-फेज एचओजी सार्वभौमिक परीक्षण किट की आपूर्ति एवं स्थापना।

कार्य की लागत (₹ में): ₹ 39,13,761.42 | धरोहर राशि (₹ में): ₹ 78,300/-

समयावधि: 06 Months | टेण्डर फार्म की कीमत (₹ में): NIL

निविदा का प्रकार: Works (Open Tender under CAP allocation

नोट:- (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल लेटर पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (5) निविदा सूचना को निम्नलिखित वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है- www.ncr.indianrailways.gov.in (6) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (7) ईएमडी का भुगतान ऑनलाइन नेट बैंकिंग, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाना चाहिये। 655/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in


# अमर शहीद भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु के बलिदान से पडी राष्ट्र की नींव

### पूर्व आईजी लालजी शुक्ला, के बख्श सिंह कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष एनयुजे उ प्र शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल,, महामंत्री संतोष भगवंत, कोषाध्यक्ष अनुपम सिंह चौहान, सुनील शुक्ला पवन दिवेदी कुन्दन श्रीवास्तव ने रखे विचार

## एनयूजे प्रयागराज इकाई ने अतिथियों को किया सम्मानित

प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (एनयूजे आई) प्रयागराज जिला इकाई तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से शहीद–ए–आजम भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को याद किया गया और शहीद दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के राष्ट्र निर्माण की भूमिका में महत्वपूर्ण योगदान को आने वाली पीढियों में साझा करना है। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व आईजी लालजी शुक्ला, महाविद्यालय के अध्यक्ष शासी निकाय पंकज जायसवाल, एनयूजे के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष बख्श सिंह, महामंत्री संतोष भगवंत, कोषाध्यक्ष अनुपम सिंह चौहान,

वरिष्ठ पत्रकार सुनील शुक्ला,समाज सेवी प्रखर श्रीवास्तव प्राचार्य प्रो अर्चना पाठक, असिस्टेंट प्रो डा रंजना त्रिपाठी, एनयूजे के संरक्षक पवन द्विवेदी, जिलाध्यक्ष कुंदन श्रीवास्तव, महामंत्री अखिलेश शुक्ला और चित्रांशी जी

ने दीप प्रज्ज्वलन तथा शहीद भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया। इसके पश्चात दो मिनट का मौन रखकर महान क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एनयूजे उ प्र के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष के बख्श सिंह ने किया संचालन आभा मधुर ने किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथी उत्तर प्रदेश – उत्तराखंड आर्य समाज परिषद के महामंत्री और महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि यह वर्तमान तथा भविष्य के पीढियों की जिम्मेदारी है कि वह देश की आजादी के अपनी विरासतों को याद करें और राष्ट्र निर्माण की सीख लें। मुख्य अतिथि पूर्व आईजी लाल जी शुक्ला ने कहा कि देशभक्ति, त्याग, साहस और राष्ट्रसेवा की भावना को जागृत रखना सभी युवा एवं देशवासियों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शहीदों ने जिस आजादी की थाती हमें और आपको सौपा है उसको बनाएं रखना हमारी, आपकी जिम्मेदारी है।

एनयूजे के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष के बख्श सिंह ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि देश के भविष्य युवाओं को राष्ट्र की उन्नति और विकास के लिए आगे आना होगा। एनयूजे के महामंत्री संतोष भगवंत ने भव्य आयोजन के लिए कालेज प्रबंधन और एनयूजे प्रयागराज इकाई को बधाई दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी लोग मिलकर आजादी को बनाए रखते हुए आने वाली पीढियों को आजादी के महत्व की जानकारी देते रहे।

कोषाध्यक्ष अनुपम सिंह चौहान ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया। समाज सेवी प्रखर श्रीवास्तव ने कहाँ शहीदो के त्याग और बलिदान को जाने युवा पीढी। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो अर्चना पाठक ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।

23 मार्च 1931 को इन तीनों वीर क्रांतिकारियों को ब्रिटिश सरकार ने लाहौर जेल में फांसी दी थी, जिसके बाद से यह दिन शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर एनयूजे प्रयागराज महामंत्री अखिलेश शुक्ला मधुर दरबारी मनोज कुमार मुलायम सिंह विशेन सुशांत त्रिपाठी नसीम खान शनी केसरी चित्रांशी यादव अश्वनी श्रीवास्तव रतन शुक्ला अखिलेश अस्थाना जे एन यादव धर्मेंद श्रीवास्तव बी के यादव मो रिजवान अशफी खान रंजीत निषाद मो शाहिद मो असद कुरैशी अमित श्रीवास्तव सैय्यद सुहैल हनीफ देवेद्रं शुक्ला जितेद्रं सिंह चद्रंशेखर सिंह शितला तिवारी भालचद्रं पान्डेय इशरत अली राम कैलाश कनौजिया राकेश पाल रतन शुक्ला आदर्श दूबे रजनी पान्डेय नफीस अहमद संजय कुमार निषाद आनन्द निषाद शिव पान्डेय प्रो ईभा सिरोठियां, प्रो अंजू श्रीवास्तव, प्रो नीलांजना जैन, डॉ मुदिता तिवारी, डॉ स्मिता, डॉ सोनमती रासेयो की समस्त कार्यक्रम अधिकारी डॉ दामिनी, डॉ शिवानी, डॉ सुधा एवम समस्त शिक्षिकायें, शिक्षक एवं सभी छात्रायें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

# टेट अनिवार्यता के विरोध में 4 अप्रैल को शिक्षकों का दिल्ली कूच

## टीईटी अनिवार्यता का शिक्षकों ने बैठक कर किया विरोध

मथुरा। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की शिक्षक भवन, डैंपियर नगर में आयोजित बैठक में टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता का जोरदार विरोध किया गया। बैठक में 4 अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित धरना–प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई।

जिलाध्यक्ष अतुल सारस्वत ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर जबरन टीईटी लागू करने का अध्यादेश लाकर उनके हितों पर कुठाराघात किया गया है, जिसे शिक्षक संघ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र सारस्वत ने सभी शिक्षकों से आंदोलन में बढ़–चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

जिला महामंत्री लक्ष्मी नारायण ने बताया कि प्रत्येक विकासखंड से अधिक से अधिक शिक्षकों को बसों के माध्यम से दिल्ली ले जाने की जिम्मेदारी संबंधित ब्लॉक अध्यक्षों और



पदाधिकारियों को सौंपी गई है। जिला कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा ने कहा कि शिक्षकों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में प्रोन्नत वेतनमान और एरियर भुगतान जैसी समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र सारस्वत, जिलाध्यक्ष अतुल सारस्वत, महामंत्री लक्ष्मी नारायण, जिला कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार, मीडिया प्रभारी अरविंद कुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष नीलम गौड़, शक्ति वर्मा, बाबूलाल मिश्रा, गीतम सिंह, हरीश चौधरी, राजीव पचौरी, ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह छौंकर, नंदकिशोर, मुरारी लाल शर्मा, हेमंत कुमार, देवेंद्र कौशिक, योगेंद्र गौतम, लोकेंद्र मिश्रा, राजेश चौधरी, कृष्ण कुमार चौधरी (ब्लॉक मंत्री), सुशेंद्र मित्तल, कृष्णपाल सिंह, सिद्धार्थ, ज्योति वीर सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, ब्रजवीर भरंगर, मोनिका शुक्ला, प्रदीप कुमार, सूर्यकांत उपाध्याय, पूनम समाधियां, अमित कुमार, कप्तान सिंह राजोरा, मोहरपाल सिंह, आरती कुरील, देवेन्द्र सिंह, कंचन मेहता, सुजीत वर्मा, देवेश कुमार सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

## हंसी और सकारात्मकता के संग नवयुग कन्या महाविद्यालय में खुशी दिवस उत्सव

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के मनोविज्ञान विभाग 'अभिव्यक्ति' द्वारा अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस (20 मार्च) के उपलक्ष्य में "हास्य के माध्यम से खुशीरू सकारात्मक मनोविज्ञान का दृष्टिकोण" विषय पर एक संगोष्ठी एवं स्टैंड–अप कॉमेडी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती ममता अंबुजनानी, सहायक प्राध्यापिका, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ का स्वागत एवं सम्मान प्रो. शर्मिता नंदी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग एवं मनोविज्ञान विभाग की डॉ. सोनल अग्रवाल द्वारा पौध एवं स्मृति–चिह्न भेंट कर किया गया। अपने विचारोत्तेजक संबोधन में श्रीमती अंबुजनानी ने कहा कि सकारात्मक



मनोविज्ञान के अनुसार हास्य के माध्यम से खुशी को बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि यह तनाव को कम करता है और भावनात्मक कल्याण को सुदृढ़ करता है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ हास्य व्यक्ति को चुनौतियों को नए दृष्टिकोण से देखने, धैर्य एवं लचीलापन विकसित करने तथा पारस्परिक संबंधों को सुदृढ़ करने में सहायक होता है। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन को अत्यधिक गंभीरता से न लेकर परिस्थितियों पर मुस्कुराना सीखना एक संतुलित एवं सुखद जीवन की ओर ले जाता है। कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्टैंड–अप कॉमेडी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी मौलिक प्रस्तुति, अभिव्यक्ति एवं उत्कृष्ट कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. अंबिका बाजपेयी, प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग एवं प्रो. विनीता सिंह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे–

प्रथम स्थानः शांभवी गुप्ता, द्वितीय स्थानः कृषिका, अरुंधति एवं स्नेहा दीक्षित, तृतीय स्थानः सृष्टि मिश्रा, सांत्वना पुरस्कारः सुरभि यादव

अंत में प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि हास्य एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है, जिसे सजग रूप से विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हास्यबोध न केवल व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ाता है, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सकारात्मकता एवं धैर्य के साथ सामना करने में भी सहायक होता है। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् (राष्ट्रीय गीत) के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का सफल संचालन मनोविज्ञान विभाग की डॉ. सोनल अग्रवाल, डॉ. गगन प्रीत कौर, डॉ. सुकन्या तिवारी एवं सुश्री सुचिता सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण एवं छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में प्रो. संगीता कोतवाल, प्रो. निन्नी कक्कड, प्रो. सीमा सरकार, प्रो. सीमा पांडेय, प्रो. संगीता शुक्ला, डॉ. आभा पाल, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. ममता वर्मा, श्रीमती नीलम यादव, डॉ. अंकिता तिवारी, डॉ. मेघना यादव सहित अन्य प्रवक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक हुआ, जिसमें दैनिक जीवन में हास्य के महत्व एवं उसके सकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में संपन्न हुआ।

## लाला की है मौज

(छप्पय)

महँगाई की बात   न करना मेरे भाई।
पतली कर लो दाल   नसीहत है यह आई।
चीनी से मधुमेह   चलो अब इसको छोड़ो।
सब्जी से मुँह मोड़   दूध से नाता तोड़ो।
नदियाँ पानी माँगती   लेकिन सब बेहोश हैं।
देख समय की चाल को   आँसू भी खामोश है।।

महँगे हुए सामान   रसोई चुप चुप रहती।
लाला की है मौज   परेशाँ जनता दिखती।
घर–घर मिलती मुफ्त   दुआओं का क्या कहना।
अद्भुत है माहौल   भूख को सहते रहना।
सबके सब लाचार हैं, भूखे अरु बीमार हैं।
जिनकी थाली छिन गई, महँगाई की मार से।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## शिक्षक जनसंपर्क अभियान: एमएलसी मानवेंद्र प्रताप सिंह ने जानी शिक्षकों की समस्याएं

मथुरा। आगरा खंड स्नातक विधायक (एमएलसी) मानवेंद्र प्रताप सिंह ने दिनांक 20 मार्च 2026 को मथुरा में शिक्षक जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत इंटरमीडिएट व हाईस्कूल परीक्षा के मूल्यांकन कार्य में जुटे शिक्षकों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित शिक्षक बंधुओं से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

एमएलसी ने शिक्षकों को अवगत कराया कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अन्य



संविदा कर्मियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय शिक्षकों और उनके परिवारों के लिए बीमारी के समय अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इसके साथ ही उन्होंने मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों के पारिश्रमिक में बढ़ोतरी की जानकारी देते हुए बताया कि पहले परीक्षकों को प्रति कॉपी 1 मिलता था, जिसे बढ़ाकर 14 प्रति कॉपी कर दिया गया है और इस संबंध में शासनादेश भी जारी कर दिया गया है। इस दौरान उनके साथ भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुधाकर उपाध्याय, डॉ. राकेश चतुर्वेदी, डॉ. देवेंद्र शर्मा, बृजमोहन वशिष्ठ राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सत्यदेव, केआर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य कैप्टन मुरलीधर शर्मा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।


उत्तर मध्य रेलवे

रजिस्ट्री सं. डी.एल.–33004/99   REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–यू.पी.–अ.–21032026–271165
CG-UP-E-21032026-271165

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1385] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 20, 2026/फाल्गुन 29,1947
No. 1385] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 20, 2026/PHALGUNA 29,1947

रेल मंत्रालय
[ उत्तर मध्य रेलवे (गतिशक्ति यूनिट) ]
अधिसूचना
प्रयागराज, 2 मार्च 2026

का.आ. 1450 (अ).– केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि लोक प्रयोजन के लिए, यह भूमि, जिसका संक्षिप्त विवरण इससे उपाबद्ध अनुसूची में दिया गया है, उत्तर प्रदेश राज्य के कौशाम्बी जिले के तहसील सिराथू में विशेष रेल परियोजना, अर्थात "अठसराय स्टेशन पर गुड्स शेड की सुविधा का प्रावधान" हेतु भूमि अधिग्रहण परियोजना के निष्पादन, अनुरक्षण प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है :

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन उपरोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन और उपयोग के संबंध में आक्षेप कर सकेगा;

प्रत्येक ऐसा आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात् अपर जिलाधिकारी (वि. रा.), जिला कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश को लिखित में किया जाएगा और उसमें उसके आधार उपवर्णित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आक्षेपकर्ता को या तो व्यक्तिगत रूप से या विधिव्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और सभी ऐसे आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी और जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा या तो आक्षेपों को अनुज्ञात या अननुज्ञात कर सकेगा उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश अंतिम होगा;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि का रेखांकन और अन्य ब्यौरे उपलब्ध हैं और इच्छुक व्यक्ति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उपर्युक्त कार्यालय में उनका निरीक्षण किया जा सकता है।

अनुसूची

उत्तर प्रदेश राज्य में विशेष रेल परियोजना "अठसराय स्टेशन पर गुड्स शेड की सुविधा का प्रावधान, करने हेतु कौशाम्बी जनपद के सिराथू तहसील में अधिग्रहण की जाने वाली अवसंरचना सहित या रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण।

| क्र. सं. | जिले का नाम | तहसील का नाम | ग्राम का नाम | खसरा संख्या | अर्जन हेतु रकबा वर्ग मी. | अर्जन हेतु रकबा (हेक्टेयर में) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | कौशाम्बी | सिराथू | हिसामपुर माढ़ो | 169 | 1245 | 0.1245 |
| 2 | | | | 170 | 992 | 0.0992 |
| 3 | | | | 173 | 1280 | 0.1280 |
| 4 | | | | 178 | 704 | 0.0704 |
| 5 | | | | 179 | 56 | 0.0056 |
| 6 | | | | 180 | 336 | 0.0336 |
| 7 | | | | 181 | 585 | 0.0585 |
| 8 | | | | 182 | 780 | 0.0780 |
| 9 | | | | 187 | 546 | 0.0546 |
| 10 | | | | 188 | 44 | 0.0044 |
| 11 | | | | 189 | 902 | 0.0902 |
| 12 | | | | 190 | 400 | 0.0400 |
| 13 | | | | 194 | 20 | 0.0020 |
| 14 | | | | 195 | 620 | 0.0620 |
| | | | कुल योग | | 8510 | 0.8510 |

[e-file No. F. No. NCR-PRYJ0ENGG (LAND) /9/2023 dated 05.06.2025]
एनामुल हक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

652/26 (AS)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

# सम्पादकीय.....

## दुनिया कौन चला रहा है?

इतिहास में कभी–कभी कुछ ऐसा घटता है कि दुनिया को कठपुतली बनाकर नचाने वालों का भांडा फूट जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ था 2004 में, जब जॉन पर्किन्स नाम के एक सज्जन ने श्कंफेशन्स ऑफ एन इकानामिक हिटमैनश (एक आर्थिक हत्यारे की स्वीकारोक्ति) किताब प्रकाशित की थी। इस पर बड़ा हंगामा हुआ था, लेकिन कोई उसे झुठला नहीं सका, क्योंकि पर्किन्स ने किताब की शुरूआत में ही बता दिया था कि वे खुद भी एक श्इकानामिक हिटमैनश रहे थे। क्या मतलब है इकानामिक हिटमैन का? पर्किन्स बताते हैं कि दुनिया के सभी अमीर देश श्इकानामिक हिटमैनश पालते हैं जिनका काम ही है कि वे विकासशील देशों के नेताओं से नजदीकी रिश्ता बनाते हैं और फिर श्विकास या संपन्नताश या श्गरीबी हटाओश जैसे लुभावने मंजर दिखाकर, उन्हें बड़े विदेशी ऋण लेने के लिए तैयार करते हैं। वे बताते हैं कि आपको ऋण के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं, वह हम लाकर देंगे! पर्किन्स लिखते हैं कि यह मछली फंसाने जैसा है। एक बार मछली फंसी तो अमेरिका–यूरोप की सरकारों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की चांदी हो जाती है। विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है, सो ऐसी परियोजनाओं के लाभ का लुभावना सब्जबाग ऐसा खड़ा किया जाता है कि विकासशील देशों की सरकारें बड़े–बड़े ऋण ले लेती हैं। ऋण का पैसा उनके हाथ आता भी नहीं है, क्योंकि उन्हीं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के एजेंट विकास परियोजनाओं का ठेका भी ले लेते हैं। जिसका पैसा था, उसी की जेब में वापस पहुंच जाता है, जबकि ऋण लेने वाले देश पर कर्ज लद जाता है। एक बार देश कर्ज में फंसा तो शुरू होता है महाशक्तियों का खेल! कर्ज माफी या कर्ज की शर्तों में ढील के नाम पर उस देश पर जबर्दस्त राजनीतिक, आर्थिक या सैन्य दबाव डाला जाता है, ताकि वह अपनी राष्ट्रीय नीतियों में उनके अनुकूल बदलाव करे तथा अपने प्राकृतिक संसाधनों को निजी कंपनियों के लिए खोल दे। कर्जदार देश घुटने टेक देता है और इकानामिक हिटमैन अपना कमीशन लेकर आगे चल देता है– नया देश, नया शिकार खोजने। पर्किन्स की किताब पढ़ते हुए मुझे 1991 का आर्थिक संकट याद आया। तब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका था। बताया गया था कि मात्र 2–3 हफ्तों की जरूरत लायक डॉलर देश के पास बचे हैं। सरकार को अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और विश्वबैंक से आपातकालीन ऋण लेना पड़ा। ऋण तो मिला, लेकिन उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण उस ऋण के साथ आया। आपको विकीलीक्स याद है? एक अंतरराष्ट्रीय वेबसाइट जो गुप्त सरकारी व कॉर्पोरेट दस्तावेजों की जासूसी कर, उन्हें सार्वजनिक करती है? इसकी स्थापना 2006 में जूलियन असांजे नामक युवा ने की थी। वह कहता था कि सरकारों, शक्तिशाली वित्तीय संस्थाओं आदि के गुप्त दस्तावेजों का खुलासा करना जरूरी है, ताकि लोग जान सकें कि उनके साथ कितना खतरनाक खेल हो रहा है। इससे सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता बढ़ेगी और दादा देश जवाबदेही से काम करेंगे। इससे नाराज होकर सरकारों ने असांजे को जेल में डाला, देश–निकाला भी दे दिया। आज वह दर–दर की ठोकरें खा रहा है, पोशीदा जीवन जी रहा है। विकीलीक्स के खुलासों से 2008 के भारत–अमेरिका परमाणु समझौते और उससे जुड़े सांसदों को कथित रिश्वत दिए जाने के आरोप सामने आए। आज की देखें तो अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच भारत सरकार श्एटॉमिक एनर्जी एक्ट, 1962 और श्सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010 में बदलाव ला रही है। बात सीधी हैरू टैरिफ में छूट चाहते हो तो परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी और विदेशी निवेश के लिए खोलना होगा। सालों पहले जिस एपस्टीन की मौत हो चुकी है उसके सेक्स–कांड की परतें जिस तरह खुल रही हैं, उससे लगता है मानो वह कब्र से बोल रहा हो। दरअसल, एपस्टीन सिफ एक अमीर कारोबारी नहीं थाय वह सत्ता के गलियारों में सक्रिय एक बेहद असरदार दलाल था। पैसे और प्रतिष्ठा की आड़ में उसने दुनिया के बड़े–बड़े राजनेताओं, धनकुबेरों, वैज्ञानिकों, विचारकों, शिक्षाविदों और स्वयंभू समाजसेवियों का एक घना और प्रभावशाली नेटवर्क खड़ा कर लिया था। इसी नेटवर्क के भीतर वह लोगों की कमजोरियों और वासनाओं को हथियार बनाता था। नतीजे में यह जाल इतना शक्तिशाली बन गया कि उसके जरिए वह दुनिया के किसी भी कोने से अपने मनमुताबिक काम निकलवा सकता था। ऐसे में मैं गांधी की बात करूं? तब आजादी निकट थी। एक पत्रकार ने पूछा क्या आजाद भारत अपने विकास के लिए ब्रिटेन का मॉडल अपनाएगा? छोटे–से ब्रिटेन को अपनी दादागिरी बनाए रखने के लिए पूरी दुनिया पर राज करना पड़ा था,श्गांधीजी ने तक्षण जवाब दिया, अगर विशाल भारत वही रास्ता अपनाएगा तो उसके लिए तो दुनिया भी कम पड़ जाएगी! क्या कह रहे थे गांधीजी? यही कि यह विकास विनाश का दूसरा नाम है।

# ड्रिफ्ट से डिलीवरी तक, राजस्थान में भजन लाल शर्मा का 2 वर्षीय रिपोर्ट कार्ड

शहजाद पूनावाला

राजस्थान सरकार के शासन की जितनी गहराई से जांच की जाए, कांग्रेस प्रशासन को सत्ता से हटाए जाने के 2 वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद, उतना ही स्पष्ट होता है कि अशोक गहलोत का 5 वर्षीय शासन (2018–2023) राज्य के लिए व्यर्थ का दौर साबित हुआ। पार्टी के अंदरूनी विवाद, खासकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच, अक्सर गहलोत को अपनी कुर्सी बचाने में उलझाए रखते थे, न कि प्रभावी शासन में। अंततरू 2023 के चुनावों में मतदाताओं ने उनकी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया। वर्तमान भाजपा सरकार ने गहलोत सरकार की इन गलतियों से सबक लिया प्रतीत होता है। पिछले 2 वर्षों में राजस्थान एक शांत, अधिक स्थिर और ठोस शासन का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें परियोजनाओं के क्रियान्वयन और डिलीवरी की तेज गति पर ध्यान दिया गया है। पानी–सम्यतागत प्राथमिकता का समाधान रू एक ऐसे राज्य में, जहां पानी की कमी ने इतिहास और आदत दोनों को आकार दिया है, जल प्रबंधन सिर्फ नीति का विषय नहीं, बल्कि सभ्यतागत ड्क्षचता है। राम जल सेतु ड्क्षलक जैसी बड़ी परियोजनाओं की ओर कदम, जिसमें 26,000 करोड़ रुपए के कार्य आदेश जारी किए गए हैं, साथ ही यमुना जल के उपयोग के प्रयास (एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित और डी.पी.आर. कार्य प्रगति पर), पैचवर्क समाधान की बजाय दीर्घकालिक रणनीति का संकेत देते हैं। इसी बीच, जल जीवन मिशन के तहत नल से जल कनैक्शन का विस्तार 14 लाख से अधिक परिवारों तक पहुंच चुका है।

इंफ्रास्ट्रक्चर–आर्थिक ६ ामनियों का निर्माण रू 42,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का विस्तार और उन्नयन, जिसमें निर्माण और अपग्रेडेशन पर 29,333 करोड़ रुपए खर्च किए गए, सिर्फ अमूर्त कनैक्टिविटी के बारे में नहीं है। राजस्थान जैसे विशाल राज्य में सड़कें आर्थिक धमनियां हैं। वे तय करती हैं कि माल कितनी तेजी से पहुंचता है, बच्चे स्कूल कितनी आसानी से जाते हैं और दूरदराज के समुदाय राज्य के अन्य हिस्सों से कितना जुड़ा महसूस करते हैं। यहां पुरानी दुनिया का एक तर्क है, सड़कें बनाओ, विकास अपने आप आएगा। ऊर्जा क्रांति–खेतों और भविष्य को शक्ति रू ऊर्जा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उत्पादन क्षमता में 8,261 मैगावाट की वृद्धि हुई। दिन में खेतों तक बिजली पहुंचाना किसानों की दिनचर्या बदलता है, अनिश्चितता कम करता है और उत्पादकता बढ़ाता है। पी.एम.–कुसुम योजना के तहत 2,884 मैगावाट क्षमता स्थापित की गई और 2.10 लाख कृषि कनैक्शन जारी किए गए, 22 जिलों में अब दिन में बिजली उपलब्ध है। सौर ऊर्जा पर समानांतर जोर 59,000 सोलर पंपों (921 करोड़ रुपए सबसिडी) और पी.एम. सूर्य घर योजना के तहत 1.31 लाख रूफटॉप सोलर प्लांटों से स्पष्ट है।

कृषि–किसानों के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा जाल रू कृषि राजस्थान की अर्थव्यवस्था का केंद्र बनी हुई है। किसान सम्मान निधि के तहत 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 11,000 करोड़ रुपए से ज्यादा सीधे ट्रांसफर किए गए। 50,802 करोड़ रुपए के ब्याज–मुक्त फसल ऋण वितरित किए गए और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 6,473 करोड़ रुपए के क्लेम किसानों को दिए गए। इनके साथ 48,591 करोड़ रुपए की बिजली सबसिडी और 2 लाख से अधिक नए कृषि कनैक्शन एक सुरक्षा जाल बनाते हैं। लाडो (लाड़ली) प्रोत्साहन योजना के तहत बालिकाओं को दी जाने वाली राशि बढ़ाकर 1.50 लाख रुपए कर दी गई। 20 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया और 16 लाख से अधिक 'लाखपति दीदी' बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में राशि 5,000 से बढ़ाकर 6,500 रुपए की गई। मां वाऊचर योजना गर्भवती महिलाओं को मुफ्त सोनोग्राफी प्रदान करती है, जिसका लाभ अब तक 2.26 लाख से अधिक महिलाओं को मिल चुका है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 10 प्रतिशत की कमी आई है। वृद्ध, विध वाओं, एकल महिलाओं, दिव्यांगों और छोटेध्सीमांत किसानों की पैंशन बढ़ाकर 1,250 रुपए प्रति माह कर दी गई। मुख्यमंत्री मंगल शिशु बीमा योजना के तहत 14 लाख से अधिक बच्चों को मुफ्त बीमा पॉलिसी जारी की गई।

अपराधों में कुल 14 प्रतिशत औसत कमी (महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित) कानून–व्यवस्था में सुधार का संकेत देती है, हालांकि ऐसे दावों की जांच और निरंतरता आवश्यक है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2 लाख से अधिक घर पूरे कर जरूरतमंदों को सौंपे गए। लगभग 1.25 लाख नियुक्तियां की गईं, विभिन्न चरणों में 1.33 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। निजी क्षेत्र में अब तक लगभग 3 लाख रोजगार प्रदान किए गए। 2026 के लिए 'सवा लाख नौकरी' कैलेंडर जारी किया गया। उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पिछले 2 वर्षों में 34 से अधिक क्षेत्र–विशेष नीतियां जारी की गईं। प्रति व्यक्ति आय पहली बार 2 लाख रुपए के पार, अब 2,02,349 रुपए हो गई है। आर्थिक सुधारों और ईज ऑफ डूइंग बिजनैस प्रयासों से औसत जी.एस.डी.पी. वृद्धि दर 12.25 प्रतिशत तक बढ़ गई। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट 2024 में 35 लाख करोड़ रुपए के एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित हुए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। केंद्रीय योजनाओं में राजस्थान 11 में प्रथम, 5 में द्वितीय और 7 में तृतीय स्थान पर है (कुछ रिपोर्टों में तृतीय 9 में)। सभी में जो सबसे अलग दिखता है वह है मंशा की एक निश्चित निरंतरता। यह शोबाजी का जोरदार मॉडल नहीं, बल्कि स्थिर शासन का है। इसमें भव्य इशारे या व्यापक घोषणाएं नहीं हैं, बल्कि यह संचय से काम करता है–योजना–दर–योजना, क्षेत्र–दर–क्षेत्र। कई मायनों में यह पुरानी प्रशासनिक शैली की याद दिलाता है, जहां प्रगति अचानक छलांगों से कम और स्थिर, क्रमिक लाभों से अधिक मापी जाती थी। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा आज उस राह पर चलते दिखते हैं। पूर्णतरू नहीं, चुनौतियों के बिना नहीं लेकिन एक जमीनी व्यावहारिकता के साथ।

# कायर कौन हैं नाटो देश या खाड़ी देश?

शकील अख्तर

कायर कौन? नाटो देश! जो युद्ध को रोकना चाहते हैं। हार्मुज स्ट्रेट पर हमला करके उसे और ज्यादा भड़काने से बचना चाहते हैं? या खाड़ी देश?

जिन्होंने डर के मारे अपनी जमीन अमेरिका के सैन्य अड्डों के लिए दे रखी है। जो ईरान में मासूम बच्चों, वहां के नेताओं की टारगेट कीलिंग, गैस तेल क्षेत्रों पर हमले पर एक शब्द नहीं बोल पा रहे हैं? ट्रंप फ्रस्टेशन में नाटो देशों को कायर कह रहे हैं मगर दुनिया अरब देशों को कायर बता रही है। जो गजा में इजराइल द्वारा किए नरसंहार के खिलाफ खड़े नहीं हो सके। और अब ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद ईरान के ही खिलाफ खड़े हो गए। ईरान की गलती क्या है? ऐसे ही इराक रासायनिक हथियार बना रहा है कहकर अमेरिका ने उस पर हमला किया था और वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फांसी दे दी। ईरान में भी वहां के टाप सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत तमाम बड़े लीडर मार दिए और अब पूरी तरह तबाह करने की धमकी दे रहा है। कौन है वह? दुनिया का थानेदार? किसने बनाया? स्वघोषित! अमेरिका और इजराइल की भाषा क्या है? मार डालेंगे, तबाह कर देंगे, कुछ नहीं बचेगा! यह दुनिया के सबसे पुराना लोकतंत्र की भाषा है? या गुंडों बदमाशों की! अरब देश इस्लामिक कंट्री के नाम पर संगठन बनाते हैं। लेकिन इस्लाम के सबसे पवित्र महीने रमजान में एक इस्लामिक देश पर हुए हमलों का समर्थन करते हैं? फिर वही सवाल कि आखिर हमला क्यों? जब संयुक्त राष्ट्र सहित अन्तरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आईएईए) सब ईरान से बात कर रहे थे। वहां जाकर जांच हो रही थी। वहां के सुप्रीम लीडर ने परमाणु बम को मानवता के खिलाफ बताते हुए उसे बनाने से इनकार किया था फिर अचानक हमला करने और वह भी स्कूल पर जहां दो सौ के करीब बच्चियां मारी गईं का क्या मतलब? इजराइल को सफाई देना पड़ रही है कि हमने अमेरिका को युद्ध में नहीं फंसाया। अमेरिका निकलने का रास्ता ढूंढ रहा है। लेकिन यह सब तो बाद में हुआ। ईरान के मजबूती से लड़ने के बाद। खासतौर से वहां की अवाम के पूरी हिम्मत से घरों से निकलकर सड़कों पर आ जाने के बाद। ईरान में बंकर नहीं हैं। जैसे इजराइल ने बना रखे हैं। सायरन बजता है सब बंकरों में चले जाते हैं। इरान में बम गिरते हैं लोग सड़कों पर आ जाते हैं। यह जो जज्बा है उसने ही पूरी दुनिया में खासतौर से अमेरिका में हलचल मचा दी। वियतनाम में यही हुआ था। अमेरिका वहां की बहादुर जनता से नहीं लड़ पाया और वापस हो गया। ट्रंप को यहां भी युद्ध खत्म करने की बात कहना पड़ रही है। वियतनाम में अमेरिका ने 1965 में हमला किया था। करीब 60 हजार सैनिक उसके मारे गए थे। जनता का भरोसा अपनी सरकार से उठ गया था। बड़े गहरे राजनीतिक और सामाजिक असर पड़े थे। अमेरिका की मीडिया और जनता ने साफ तौर कहा कि सरकार ने उन्हें गुमराह किया। जीत रहे हैं कि झूठे दावे किए गए। और सबसे बड़ा परिणाम यह हुआ था कि प्रेसिडेन्ट निक्सन को इस्तीफा देना पड़ा था। ट्रंप को सब याद आ गया है। अमेरिका में फिर उसके सैनिकों के ताबूत लौटने लगे हैं। वियतनाम युद्ध में भी ऐसी ही शुरूआत हुई थी। अमेरिका की जनता किसी दूसरे के युद्ध में अपने सैनिकों को खोना क्यों पसंद करेगी? ईरान से अमेरिका को कोई खतरा नहीं था। वहां के राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी केन्द्र (एनसीटीसी) के निदेशक जो केंट ने अभी यही कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि अमेरिका को ईरान से कोई खतरा नहीं था। हम यह युद्ध इजराइल के लिए लड़ रहे हैं। पूरे अमेरिका में यह माहौल बन रहा है। दुनिया में तो है ही। मगर अरब देशों के शासकों की समझ में नहीं आ रहा है। वे आंख बंद करके अमेरिका और इजराइल का साथ दे रहे हैं। लेकिन क्या वहां की जनता भी अमेरिका और इजराइल के साथ है?

सबसे बड़ा सवाल यही है। राजशाही के कारण वहां की अवाम की कोई बात दुनिया के सामने नहीं आ पाती है। मीडिया पर पूरा कंट्रोल है। लेकिन जनता की आवाज कभी भी किसी भी समय दबाई नहीं जा सकी है। खबरें आती है कि वहां जब ईरान की मिसाइलें गिर रही हैं और नुकसान हो रहा है तो लोग पूछते हैं कि इजराइल का साथ देने की हमारी क्या मजबूरी है? अगर अमेरिका हमें बचा ही नहीं पा रहा तो उसे हमारी जमीन पर सैनिक अड्डे बनाने की छूट क्यों दी गई थी? और असली सवाल कि हमारा ईरान की अवाम से क्या झगड़ा है? जो हम वहां के स्कूल की बच्चियों को मार रहे हैं, दूसरे शहरियों को मार रहे हैं। गजा में भी इसी इजराइल ने किया मासूम बच्चों को मारा। और अब हमारी जमीन से वहां मिसाइलें और ड्रोन भेजकर मार रहे हैं। क्यों? इस क्यों का जवाब अमेरिका और इजराइल नहीं देंगे। अरब देश के शासकों को देना होगा। शासन ईरान में राजशाही का था। अंतिम पहलवी वंश का। आज उनके वारिस अमेरिका में शरणार्थी बनकर रह रहे हैं। ईरान में सत्ता का पेटर्न बदल सकता है तो अरब देशों में क्यों नहीं? डर कर जीने से कुछ नहीं होगा। ईरान ने बता दिया कि वह डरता नहीं है। दुनिया के दो सबसे ताकतवर देशों अमेरिका इजराइल के सामने अकेला डटा हुआ है। और सोचिए रूस और चीन कब तक चुप रहेंगे? जैसा कि ट्रंप ने धमकी दी है 48 घंटे में जबरदस्ती हार्मूज जलडमरूमध्य खोल देने की तो अगर वह ऐसा वह करता है और उस समय रूस चीन और अन्य शांति चाहने वाले देश नहीं बोले तो वर्ल्ड आर्डर पूरी तरह चेंज हो जाएगा। अमेरिका और इजराइल की वैश्विक दादागिरी कायम हो जाएगी। लेकिन यह संभव नहीं है। पहली बात तो खुद ईरान बहुत जबर्दस्त प्रतिरोध ा करेगा। युद्ध बहुत खतरनाक मोड़ पर पहुंच जाएगा। और रूस एवं चीन साथ ही यूरोप के दूसरे देश भी इस तरह अमेरिका इजराइल को मनमानी नहीं करने देंगे। क्योंकि इसका सीधा मतलब होगा दुनिया का एक ध्रुवीय हो जाना। यहां की जीत का मतलब फिर अमेरिका रूस से अपनी शर्तों पर यूक्रेन से समझौता करवाएगा। इसलिए आने वाले दो दिन बहुत महत्वपूर्ण होंगे। युद्ध किसी भी सीमा तक जा सकता है। अरब देशों के लिए बड़ा संकट। अमेरिका तो ईरान से 11 हजार किलोमीटर दूर बैठा हुआ है। इजराइल भी दो हजार किलोमीटर है। आसपास तो सारे अरब देश ही लगे हैं। राजशाही और शासकों की मनमानी नीतियों के खिलाफ अरब देशों में कई बार आवाजें उठ चुकी हैं। 15 साल पहले खाड़ी देशों में अरब स्प्रिंग के नाम से बड़ा जन आंदोलन हुआ था। लोग लोकतंत्र की मांग कर रहे थे। वह आवाजें फिर उठ सकती हैं।

जनता की मर्जी के खिलाफ इजराइल अमेरिका को समर्थन देना अरब देशों को भारी पड़ सकता है। ईरान की जनता की बहादुरी मिसाल बन गई है। अमेरिका ने हमला रीजिम चेंज (शासन बदलने) के नाम पर किया था। मगर जनता और मजबूती के साथ वर्तमान सरकार के साथ खड़ी हो गई। सरकारों को हराया जा सकता है। जनता को कौन हरा सकता है? और ईरान की जनता का यह मैसेज दूसरे देशों की जनता में भी जा रहा है। खासतौर से अरब देशों की जनता में। वहां के शासकों को सावधान हो जाना चाहिए। अमेरिका इजराइल की गुलामी से बाहर आ जाना चाहिए।

# पत्रकारों के साथ अपराधियों जैसा सलूक

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार शाम समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के 9 रफी मार्ग स्थित कार्यालय को कथित तौर पर भूमि आवंटन की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में सील कर

दिया। देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी के साथ दिल्ली पुलिस ने जो सलूक किया, उस पर लोकतंत्र के पक्षधर नागरिक चिंता व्यक्त कर रहे हैं। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, एडिटर्स गिल्ड, वीमेंस प्रेस क्लब समेत कुछ पत्रकार संगठनों ने भी इसकी निंदा की है और अलग–अलग दलों के कुछ नेताओं ने पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए हैं। लेकिन इस खबर पर जो व्यापक हलचल मचनी चाहिए थी, वो कहीं नजर नहीं आ रही। इससे समझ आता है कि अब हम शायद जागरुक समाज नहीं रहे, और काफी हद तक संवेदनहीन, आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं। तभी तो बड़ी से बड़ी घटनाएं भी हमें विचलित नहीं करतीं। अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, महिलाओं, बच्चों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की कई खबरें आती हैं और समाज उन्हें सरसरी निगाह से देखकर टाल देता है कि ये सब तो होता ही रहता है। अत्याचार तो पहले भी होते रहे हैं, तब पत्रकार इन्हें उजागर करना अपना दायित्व समझते थे। क्योंकि जब तक समाज की बुराइयों को सामने नहीं लाया जाएगा, तब तक उनका खात्मा करने के तरीके भी नहीं तलाशे जा सकते। लेकिन अब मीडिया भी उन्हीं खबरों को तरजीह देता है, जो वायरल हों, जिनके कारण टीआरपी बढ़े या लाइक्स और कमेंट्स ज्यादा मिले। यही वजह है कि पहले कुंभ मेले में एक सुंदर युवती मोनालिसा चर्चा में आई, फिर उसके अभिनेत्री बनने की खबरें खूब चलीं और अब उसने विवाह कर लिया तो उस पर भी प्रेस कांफ्रेंस हो गई कि उसने जिस व्यक्ति से विवाह किया, उसका धर्म क्या है और यह सही है या नहीं। सोचिए मीडिया ने अपनी प्राथमिकताओं को किस गर्त में पहुंचा दिया है कि दो बालिग आपसी रजामंदी से विवाह करें तो वह उनकी हेडलाइन्स बन जाती है। इस माहौल में यूएनआई का दफ्तर सील करना और वहां मौजूद पत्रकारों से बदसलूकी आम खबर की तरह आई और चली भी गई। गौरतलब है कि दिल्ली में संसद भवन के पास 9 रफी मार्ग पर लगभग 5,289.52 वर्ग मीटर जमीन दशकों पहले यूएनआई को सरकार ने लीज पर दी थी। इस जमीन की अनुमानित कीमत मौजूदा दर 7.74 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से करीब 409 करोड़ रुपये आंकी गई है। सरकार ने यह जमीन संयुक्त कार्यालय परिसर विकसित करने के यूएनआई को दी थी, लेकिन कम से कम 40 साल बीतने के बाद भी वहां कोई निर्माण नहीं हुआ। सरकार का कहना है कि यूएनआई कार्यालय का निर्माण नहीं कर सका, जो आवंटन पत्र में तय शर्तों का उल्लंघन है। जिसके बाद आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत आने वाले लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस ने 12 जनवरी 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद 29 मार्च 2023 को आवंटन रद्द कर दिया था। न्यूज एजेंसी ने इस रद्दीकरण को अदालत में चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने वित्तीय कमी और लंबित मंजूरियों को देरी का कारण बताने वाले उसके तर्कों को खारिज कर दिया। अदालत ने माना कि चार दशकों से अधिक समय तक भवन का निर्माण न करना आवंटन की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है। शुक्रवार को ही यह फैसला आया और इसी शाम को ही कुछ वकील और दिल्ली पुलिस भारी दलबल के साथ परिसर पहुंच गए। अदालत का फैसला और उसके मुताबिक कानूनी कार्रवाई तो सही है, लेकिन यहां असली सवाल पुलिस के रवैये का है। जिस तरह एक मीडिया संस्थान से कर्मचारियों को निकाला गया, वैसा सलूक अपराधियों के साथ किया जाता है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो आए हैं, जिनमें यूएनआई परिसर में बड़ी तादाद में पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं और पत्रकारों–कर्मचारियों से दफ्तर खाली करने को कह रहे हैं। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि दफ्तर खाली कराने में कघनूनी प्रक्रिया का पालन किया गया और कुछ भी गलत नहीं हुआ, क्योंकि पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई थी। लेकिन यूएनआई ने अपनी पोस्ट में एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उसके दफ्तर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी नजर आ रहे हैं और कर्मचारी आरोप लगा रहे हैं कि उनके साथ धक्का–मुक्की हो रही है। यूएनआई के कुछ कर्मियों ने बताया कि शाम को कुछ वकील और अधिकारी बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अन्य बलों के साथ यूएनआई के दफ्तर पहुंचे। शाम 6 से 6.30 बजे के बीच प्रशासनिक कार्यालय बंद हो चुका था, ये सभी लोग सीधे न्यूज रूम में घुस गए जहां उर्दू और हिंदी सर्विस है। रोजा इफ्तार का समय था तो उर्दू सर्विस के कुछ लोग बाहर गए थे। अधिकारियों ने आते ही कहा कि आप अपने कम्प्यूटर तुरंत बंद कीजिए क्योंकि आपका लीज कैंसिल हो गया है और आपको तुरंत बाहर निकलना चाहिए, पांच मिनट, दस मिनट, सात मिनट. ..इस तरह वो काउंट डाउन करने लगे। उन्होंने मोबाइल पर पढ़कर आदेश सुनाया कहा कि आपको यह कार्यालय तुरंत खाली करना पड़ेगा क्योंकि इसे सील करवाना है। कर्मियों का कहना है कि हमें जबरदस्ती धकेला गया, महिला कर्मचारियों को खींचा गया। इस तरह से किसी समाचार संगठन को बंद करने की शायद यह पहली घटना है, लेकिन क्या आखिरी भी होगी, यह मीडिया संस्थानों और समूचे प्रेस जगत को सोचना होगा। कर्मचारियों को बाहर निकालने के बाद यूएनआई दफ्तर का गेट सील कर उसके बाहर एक नोटिस चिपकाया गया है। जिसमें लिखा है, श्लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस की बिना इजाजत के इस परिसर में किसी भी व्यक्ति का किसी तरह का प्रवेश, कब्जा या इसका इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसके उल्लंघन पर कानून के तहत कार्रवाई होगी। इस प्रकरण पर यूएनआई के मौजूदा मालिक स्टेट्समैन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, श्भारत में मीडिया की आजादी पर एक अभूतपूर्व अत्याचार और हमले के तौर पर देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी यूएनआई के रफी मार्ग स्थित दफ्तर पर पुलिस बल ने सचमुच हमला बोल दिया।

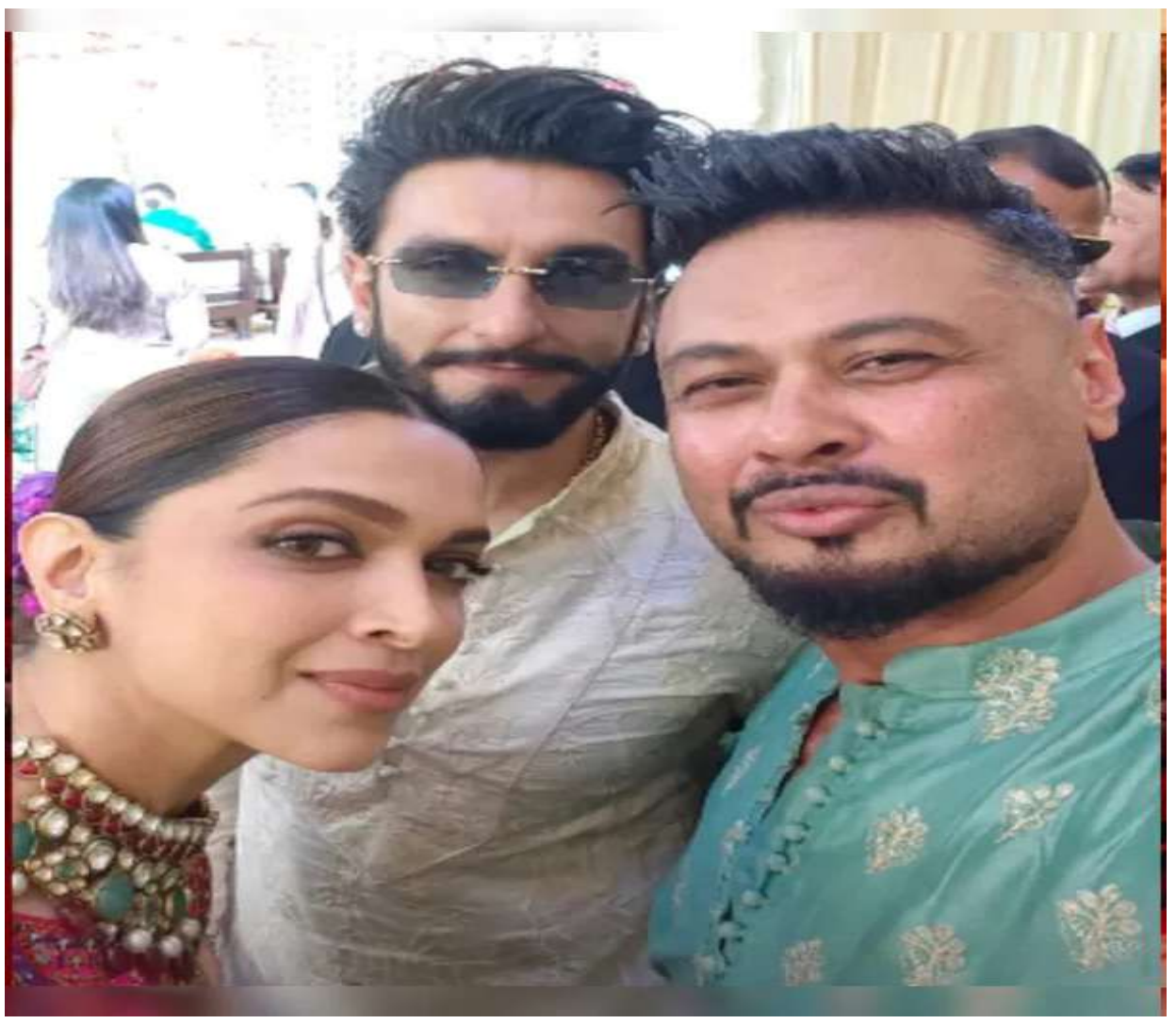

# धुरंधर 2 की सफलता के बीच पत्नी दीपिका संग लंच डेट पर निकले रणवीर सिंह, सेल्फी के लिए बेकाबू हुए फैंस

> भीड़ के बीच भी रणवीर सिंह ने अपने फैंस का गर्मजोशी से अभिवादन किया। उनके आसपास मौजूद सिक्योरिटी और बाउंसर्स ने भीड़ को संभालते हुए उनके लिए रास्ता बनाया

एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। फिल्म के एक्टर की एक्टिंग को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। धुरंधर 2 की सफलता को एंजॉय कर रहे रणवीर सिंह को जब हाल ही में पत्नी दीपिका पादुकोण संग लंच डेट पर स्पॉट किया गया तो यह साधारण आउटिंग देखते ही देखते एक जश्न में बदल गई। फैंस ने सेल्फी के लिए कपल को घेर लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में रणवीर और दीपिका एक मशहूर सीफूड रेस्टोरेंट से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही वे बाहर आए, वहां पहले से मौजूद फैंस की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। रणवीर को देखते ही फैंस जोर–जोर से उनका नाम लेने लगे और "बब्बर शेर" के नारे लगाने लगे। कई फैंस उन्हें 'धुरंधर 2' का असली हीरो बता रहे थे। यह नजारा देखकर दीपिका पादुकोण भी मुस्कुराती नजर आईं। भीड़ के बीच भी रणवीर सिंह ने अपने फैंस का गर्मजोशी से अभिवादन किया। उनके आसपास मौजूद सिक्योरिटी और बाउंसर्स ने भीड़ को संभालते हुए उनके लिए रास्ता बनाया, ताकि वह सुरक्षित अपनी कार तक पहुंच सकें। हमेशा की तरह रणवीर ने अपनी एनर्जी और विनम्रता से फैंस का दिल जीत लिया।

फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च को रिलीज हुई थी और अब तक 500 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है। कहानी में हमजा अली मजारी के किरदार को आगे बढ़ाया गया है, जो अब 'शेर–ए–बलूच' बनकर ल्यारी की कमान संभालता है। फिल्म में यह भी दिखाया गया है कि पंजाब का जसकिरत सिंह रंगी कैसे हमजा अली मजारी बनता है। इसमें रणवीर सिंह ने अपने किरदार को दोहराया है, जबकि आर माधवन, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल समेत कई कलाकार अपनी–अपनी भूमिकाओं में नजर आए हैं।

## मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व..जया प्रदा ने की रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की तारीफ, लोगों से भी की देखने की अपील

रणवीर सिंह की हालिया रिलीज हुई फिल्म धुरंधर द रिवेंज का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिल्म को दर्शकों के पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं। फैंस के साथ कई सेलेब्स भी धुरंधर 2 की तारीफ कर चुके हैं। वहीं, अब हाल ही में एक्ट्रेस जया प्रदा ने भी फिल्म देखी और इसकी जमकर तारीफ की। जया प्रदा ने हाल ही में ।छप् से बात करते हुए सभी से फिल्म धुरंधर द रिवेंज देखने की अपील की और इसके सभी कलाकारों की जमकर तारीफ की। जया प्रदा ने कहा, यह एक शानदार फिल्म है। यह ऐसी फिल्म है जो लोगों ने इतने सालों से नहीं देखी है। मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व है। बुरी बातें कहना बहुत आसान होता है, लेकिन जिस तरह से उन्होंने काम किया, जिस तरह से उन्होंने स्क्रिप्ट लिखी और जिस तरह से सभी कलाकारों ने इस फिल्म को सफल बनाने के लिए काम किया। मैं हर किसी से अपील करती हूं कि वे इस फिल्म को देखें और इसकी सराहना करें। बता दें, इससे पहले अल्लू अर्जुन, विजय देवरकोंडा और अनुपम खेर जैसे कई सितारों ने आदित्य धर निर्देशित फिल्म धुरंधर 2 की तारीफ कर चुके हैं। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा, संजय दत्त, आर माधवन, राकेश बेदी, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन जैसे सितारे लीड रोल में नजर आए हैं।

# मांग में सिंदूर, माथे पर बड़ी बिंदी..साड़ी में बला की खूबसूरत लगीं सोनाक्षी सिन्हा, पत्नी के इश्क में डूबे दिखे जहीर इकबाल

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड के उन कपल्स में शामिल हैं, जिन्होंने प्यार के लिए धर्म और जाति की सीमाओं को पीछे छोड़ दिया। यही वजह है कि फैंस को हर त्योहार पर इस जोड़ी की झलक का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस बार ईद के मौके पर भी दोनों ने अपने खास अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया। जहीर इकबाल ने अपने सोशल मीडिया पर सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। तस्वीरों में सोनाक्षी सिन्हा का ट्रेडिशनल लुक सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। उन्होंने साड़ी, चूड़ियां और गहनों के साथ मांग में सिंदूर लगाया हुआ है, जिसने उनके लुक को और भी खास बना दिया। उनका यह अंदाज न सिर्फ खूबसूरत है, बल्कि कई लोगों के लिए हिंदू–मुस्लिम एकता का प्रतीक भी बन गया। वहीं जहीर भी उनके साथ नजर आए और उनकी नजरें सोनाक्षी से हटती नहीं दिखीं।

इन तस्वीरों में कपल एक–दूसरे के साथ बेहद करीब और रोमांटिक अंदाज में नजर आया। दोनों की केमिस्ट्री ने फैंस को खूब इंप्रेस किया।

फोटोज शेयर करते हुए जहीर ने कैप्शन में लिखा, "ईद मुबारक३ ईद में रोमांस डाल दिया।" इस पर फैंस और सेलेब्स ने जमकर प्यार लुटाया और दोनों को ढेरों शुभकामनाएं दीं। बता दें, सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून 2024 को एक्टर जहीर इकबाल से शादी रचाई थी। कपल ने सात सालों की डेटिंग के बाद अपनी फैमिली और खास दोस्तों के बीच रजिस्टर मैरिज की थी।

## इस फेमस एक्ट्रेस का 51 साल की उम्र में निधन, ब्रेस्ट कैंसर ने ली जान

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आई है। फेमस अमेरिकन सीरीज 'आईजॉम्बी' और 'सुपरनैचुरल' में अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस कैरी ऐन फ्लेमिंग अब इस दुनिया में नहीं रहीं। उनका 51 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। यह दुखद समाचार आते ही फैंस और इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि कैरी ऐन फ्लेमिंग पिछले कुछ समय से ब्रेस्ट कैंसर की बीमारी से जूझ रही थीं। उनके प्रतिनिधियों के अनुसार, इसी साल 26 फरवरी को कनाडा के एक अस्पताल में जांच के दौरान उन्हें इस बीमारी का पता चला था। दुर्भाग्यवश, बीमारी का पता चलने के कुछ ही समय बाद वो इस दुनिया को अलविदा कह गईं। एक्ट्रेस के प्रतिनिधि ने बताया कि कैरी ने अपने परिवार की मौजूदगी में बेहद शांतिपूर्वक तरीके से इस दुनिया से विदा ली। उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व और एक दयालु इंसान के रूप में याद किया गया। उनकी टीम ने कहा, "कैरी को जानना हमारे लिए सौभाग्य की बात थी, उनकी कमी हमेशा खलेगी। बता दें, कैरी ऐन फ्लेमिंग ने अपने करियर की शुरुआत साल 1994 में टीवी शो 'वाइपर' से की थी। इसके बाद वह 'मास्टर्स ऑफ हॉरर', 'द टूथ फेयरी' और 'ब्लडसकर्स' जैसे शो में नजर आईं और अपनी एक्टिंग से दर्शकों का खूब दिल जीता। 'आईजॉम्बी' और 'सुपरनैचुरल' जैसी सीरीज ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय लेवर पर पहचान दिलाई। अब कैरी के निधन से उनके चाहने वाले गहरे सदमे में हैं।

# मिलान में देसी गर्ल का ब्लैक ड्रेस में दिखा स्वैग

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में शिरकत की। इस दौरान प्रियंका ने ब्लैक स्ट्रैपलेस गाउन और स्लीक बन हेयरस्टाइल के साथ चमचाती ज्वेलरी में एक नया ट्रेंड सेट कर दिया है। इस इवेंट में प्रियंका के अलावा कई हॉलीवुड अभिनेत्रियां भी नजर आईं। यह पूरा इवेंट फैशन और ग्लैमर से भरा हुआ था, जिसमें हर कोई अपनी स्टाइल से सबका ध्यान खींच रहा था। हाल ही में एक ज्वेलरी ब्रांड ने इटली के मिलान शहर में अपना नया हाई–एंड कलेक्शन लॉन्च किया। यह इवेंट इतना शानदार था कि पूरा कार्यक्रम रेड कार्पेट जैसा लग रहा था। इस इवेंट में कई बड़ी हस्तियां पहुंचीं, जिनमें प्रियंका चोपड़ा, ऐनी हैथवे, दुआ लिपा और जेक गिलनहाल जैसे सितारे शामिल थे। सबकी नजरें इन पर टिकी हुई थीं। प्रियंका चोपड़ा इस इवेंट में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने एक ब्लैक स्ट्रैपलेस गाउन पहना था, जो मरमेड स्टाइल का था। गाउन के बाएं कंधे पर एक खास डिजाइन बनी हुई थी, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रही थी। उन्होंने बालों को कर्ल कराया था। इसके साथ प्रियंका ने गले में एक खूबसूरत नेकलेस पहना। उनका यह ग्लैमरस लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

## प्रेगनेंसी के बाद 20 फीसदी महिलाओं को हो रहा डिप्रेशन, रिपोर्ट्स में बताई वजह

अवसाद यानि डिप्रेशन आज के समय में एक आम समस्या हो गई है। हर दूसरा व्यक्ति इस परेशानी से जूझ रहा है। एक अध्यन के मुताबिक इस की शिकार अधिकतर महिलाएं हो रही हैं। ये बीमारी देश भर में बड़ी तेजी से फेल रही है और बावजूद इसके कई महिलाएं इस से अनजान होती हैं। सिर्फ यही नहीं बल्कि महिलाओं में प्रसवोत्तर अवसाद (पीपीडी) भी बेहद आम हो चूका है। रिपोर्ट्स के अनुसार पता चला है के जब महिलाएं अपने शिशु को लेकर टीकाकरण केंद्रों पर पहुंचती हैं तो वहां मौजूद अन्य महिला या स्वास्थ्य कर्मचारी के साथ बातचीत में अपने लक्षणों के बारे में चर्चा करती हैं, लेकिन तब भी अपनी परेशानी समझ नहीं पाती हैं। ऐसे में जरुरी है की हर स्वस्थ्य कर्मचारियों के साथ इस परेशानी को साझा किया जाये। जिससे समय रहते इस से बचा जा सके।

बच्चे पर भी पड़ता है इसका असर

डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में भारत में प्रसवोत्तर अवसाद यानी पीपीडी 22 फीसदी महिलाएं ग्रस्त मिली हैं, जिनमें से पहले या दूसरे शिशु को जन्म देने के बाद भी इस परेशानी से जूझती मिली। विशेषज्ञों का कहना है इस के बुरे परिणामों से बचने के लिए समय पर प्रबंध किया जाना जरुरी है। इसी के चलते वैज्ञानिक ने एक वीडियो बनाया है जिसमें हिलाओं को उनकी परेशानी, लक्षण, इलाज और जांच के बारे में सही जानकारी के बारे में बताया है।

इस वजह से होता है पीपीडी

गर्भावस्ता के दौरान महिला में बहुत से बदलाव हो रहे होते हैं जिसकी वजह से एक मां शिशु को जन्म देने के बाद उत्साह और खुशी से लेकर दुख और आंसुओं तक कई तरह की भावनाओं को महसूस कर सकती है। ऐसे में वह मेंटली और फिजिकली थोड़ा वीक हो जाती है।

## वैक्सिंग कराने के बाद स्किन होती है डैमेज, तो इन बातों का रखें ख्याल

अनचाहे बाल पैरों और हाथों की खूबसूरती को कम कर देते हैं। वहीं इनकी सुंदरता में बनाए रखने के लिए महिलाएं वैक्सिंग का सहारा लेती हैं। महिलाएं ब्यूटी पार्लर में जाकर वैक्सिंग करवाती हैं लेकिन ये काफी खर्चीला होता है। वहीं इस दौरान कई महिलाएं घर पर ही वैक्सिंग करती हैं लेकिन घर पर वैक्सिंग करने के दौरान कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए ताकि स्किन डैमेज न हो। वहीं इस आर्टिकल में हम आपको इसी बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। चलिए आपको बताते हैं किन बातों का रखना है ध्यान।

क्वालिटी का रखें ध्यान

वैक्सिंग करते समय इस बात का ध्या रखें कि वैक्स की क्वालिटी अच्छी ही ताकि इसका इस्तेमाल करने से स्किन से जुड़ी कोई समस्या पैदा न हो। वहीं वैक्स की क्वालिटी का हमेशा ध्यान रखें, क्योंकि इससे स्किन डैमेज नहीं होगी।

पाउडर का करें इस्तेमाल

कई महिलाओं की स्किन सेंसिटिव होती हैं। वहीं गर्म वैक्सिंग को हाथ –पैरों पर लगाने से पहले आप पाउडर का इस्तेमाल करें, क्योंकि वैक्सिंग की वजह से स्किन डैमेज हो जाती है। पाउडर के यूज से त्वचा पर नमी नहीं रहती और वैक्सिंग के बाद किसी भी तरह परेशानी नहीं आती है।

अच्छी स्ट्रिप्स का यूज करना

अगर आप घर में वैक्सिंग करती हैं तो डिस्पोजेबल स्ट्रिप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। कई बार महिलाएं एक ही स्ट्रिप्स का इस्तेमाल न करें। वहीं स्ट्रिप की जगह अगर आप जीन्स का कपड़ा का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ऐसा करने से स्किन से जुड़ी समस्या शुरु हो सकती है।

वैक्सिंग के बाद नहाएं जरुर

वैक्सिंग करवाने से पहले नहाना जरुरी नहीं हैं लेकिन वैक्सिंग के बाद नहाना भी जरुरी हैं ताकि स्किन पर लगी वैक्स आराम से निकल जाए और कोई इंफेक्शन न हो। वैक्सिंग से पहले पैच टेस्ट करना जरुरी है। वैक्सिंग करने से पहले जहां बाल निकल जाते हैं तो वहीं कई वैक्सिंग के बाद और स्किन डैमेज हो सकती हैं। वहीं ऐसे में वैक्सिंग करवाने से पहले टेस्ट करवा लें।

# इन चीजों का सेवन बन सकता है बैड कोलेस्ट्रॉल का कारण

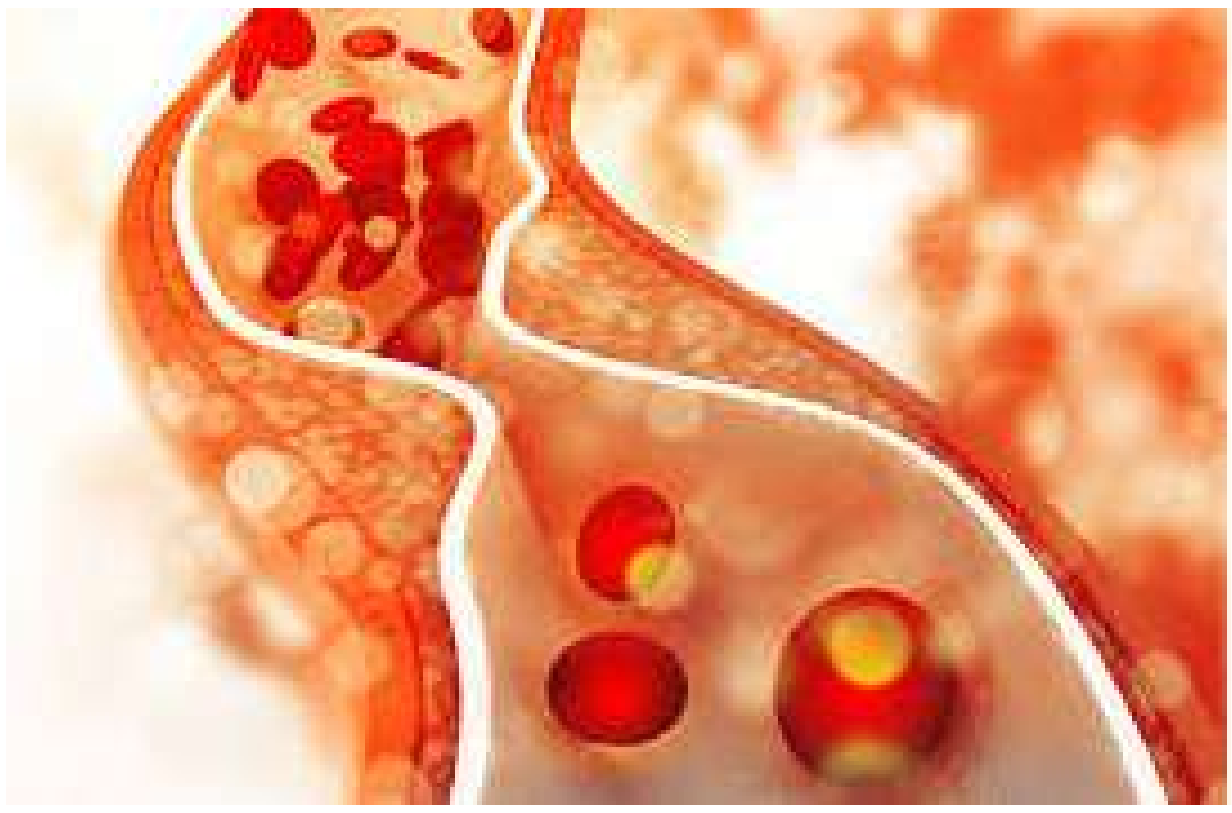

कोलेस्ट्रॉल का कंट्रोल में रहना हमारे लिए बेहद जरुरी है क्यूंकि इस वजह से हमे कई तरह की खतरनाक बीमारियों के होने का डर रहता है और उन में से एक दिल से जुडी बीमारियां भी हैं। बता दें के कोलेस्ट्रॉल एक मोम या वसा जैसा पदार्थ होता है, जो शरीर के सभी कोशिकाओं में पाया जाता है। हाई कोलेस्ट्रॉल नसों में जम जाता है और उन्हें ब्लॉक कर देता है जिससे हार्ट अटैक का खतरा मंडराने लगता हैं। ऐसे में कई लोग ऐसे हैं जो हाई कोलेस्ट्रॉल के होने पर उसे नजरअंदाज कर देते थे। इसके लिए आपको सबसे पहले ये पता होना चाहिए की आपको इस कड़ी में कौन से आहारों का सेवन नहीं करना चाहिए। चाहिए जानते हैं उसके बारे में–

डेरी उत्पाद

याद रहे कि डेरी उत्पाद कैल्शियम और खजिन की आपूर्ति करते हैं, जो आपके हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक होते हैं। लेकिन अधिक वसा वाले डेरी उत्पाद जैसे पनीर, बटर और अधिक वसा वाले दूध में अधिक मात्रा में कोलेस्ट्रॉल होता है, इसलिए अधिक वसा वाले डेरी उत्पाद न खाएं। 100 ग्राम बटर में 215 मिली ग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है, जो एक दिन के 72: कोलेस्ट्रॉल की खपत के मात्रा के बराबर होता है।

मीठी चीजों का सेवन

कई लोगों को खाना खाने के बाद या मूड खराब होने पर कुछ मीठा खाने की इच्छा होती है। लेकिन अधिक मात्रा में मीठा का सेवन करने से शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होने लगती है। साथ ही बैड कोलेस्ट्रॉल(एलडीएल) का स्तर बढ़ने लगता है। इसलिए फैट के स्तर को कम करने के लिए आप केक, पेस्ट्री, आइसक्रीम और चॉकलेट्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

बिस्किट

अधिकतर लोग चाय के साथ बिस्किट खाते हैं, जो कि कोलेस्ट्रॉल को उच्च कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ वेबसाइट के मुताबिक, बिस्किट एक प्रोसेस्ड फूड है, जिसमें सैचुरेटेड फैट मौजूद होता है। इसी फैट से कोरोनरी आर्टरी डिजी बनती है।

मीट

कोलेस्ट्रॉल का स्तर अधिक होने पर आपको मटन नहीं खाना चाहिए। हालांकि, मीट प्रोटीन का एक बहुत अच्छा स्त्रोत है, लेकिन अधिकांश मटन में संतृप्त वसा होती है, जो कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए नुकसानदायक होती है। वसा की गुणवत्ता और प्रकार पर कोलेस्ट्रॉल निर्भर करता है, इसलिए खराब वसा न खाएं। मीट जैसे कलेजी, बीफ, सुअर का मांस और प्रोसेस्ड मीट में व्हाइट वसा होती है, जो खराब कोल्सट्रॉल को बढ़ावा देती है।

डीप फ्राइड फूड्स

पकौड़े व फ्राइड चिकन जैसी चीजें डीप फ्राइड फूड्स की कैटेगरी में आती हैं। इन फूड्स में फैट का सबसे गंदा प्रकार भारी मात्रा में होता है, जिसे ट्रांस फैट्स कहा जाता है।

चिकन

कई लोगों को रोज चिकन या नॉनवेज खाना पसंद होता है। लेकिन ये आपके सेहत के लिए बहुत हानिकारक साबित हो सकता है। दरअसल इसमें पाया जाने वाला सैचुरेटेड फैट आपके शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही इससे हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट समस्याएं भी बढ़ सकती है।

जंक फूड

बर्गर, पिज्जा, पास्ता आदि जंक फूड हैं। जिन्हें बनाने के लिए मक्खन, क्रीम, चीज और अन्य आर्टिफिशियल इंग्रीडिएंट्स मिलाए जाते हैं।

## दिन में कितनी चाय पीना है ठीक और कब पीना बन सकता है नुकसान

भारत में चाय पीना सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि दिनभर की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। सुबह उठते ही चाय, ऑफिस में ब्रेक के दौरान चाय, दोस्तों के साथ बातचीत के दौरान और कई लोग तो रात में भी चाय पीने से खुद को रोक नहीं पाते। कई लोगों के लिए चाय बिना दिन अधूरा लगता है। शुरुआत में चाय आपको ताजगी और एनर्जी देती है, लेकिन अगर मात्रा और समय का ध्यान नहीं रखा गया तो यह आदत धीरे–धीरे सेहत के लिए खतरा बन सकती है।

चाय में कैफीन का असर

चाय में कैफीन होता है, जो दिमाग को सक्रिय रखता है और थकान को कम करता है। यही वजह है कि काम के दौरान लोग चाय पीना पसंद करते हैं। लेकिन ज्यादा कैफीन लेने से दिल की धड़कन तेज हो सकती है। बेचौनी और तनाव बढ़ सकता है।नींद पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर दिनभर बार–बार चाय पीते हैं, तो शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे लंबे समय में स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

दिन में कितनी चाय पीना सुरक्षित है?

एक सामान्य स्वस्थ व्यक्ति के लिए दिन में 2 से 3 कप चाय पीना सुरक्षित माना जाता है। 5–6 कप या उससे ज्यादा चाय पीना धीरे–धीरे शरीर पर नकारात्मक असर डाल सकता है। खाली पेट या बहुत मीठी चाय पीना नुकसान को और बढ़ा देता है।

ज्यादा चाय पीने से होने वाले नुकसान

यदि जरूरत से ज्यादा चाय पी जाए तो इसके कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं

पेट की समस्याएं: एसिडिटी, गैस और जलन

आयरन अवशोषण कम होना: खून की कमी या एनीमिया

नींद की कमी, सिरदर्द और चिड़चिड़ापन

हाथ कांपना और दिल की धड़कन तेज होना

चाय पीने का सही समय

चाय का समय भी स्वास्थ्य पर असर डालता है

खाली पेट चाय पीना: पेट में एसिडिटी और जलन बढ़ा सकता है

रात को सोने से पहले: नींद खराब कर सकती है

खाने के तुरंत बाद: पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा

इसलिए चाय का सही समय जानना जरूरी है।

चाय पीने का सही तरीका

सुबह उठकर खाली पेट चाय पीने के बजाय हल्का कुछ खाएं। दिन में 2–3 बार हल्की चाय पिएं। ज्यादा शक्कर से बचें। हर्बल चाय या ग्रीन टी जैसी विकल्प चुन सकते हैं, जो शरीर को नुकसान कम पहुंचाते हैं।

किन लोगों को चाय कम पीनी चाहिए?

हाई ब्लड प्रेशर वाले लोग

नींद की समस्या वाले लोग

पेट की परेशानी या एनीमिया वाले लोग

गर्भवती महिलाएं: ज्यादा कैफीन बच्चे की सेहत पर असर डाल सकता है

चाय पीना सुखद और ऊर्जा देने वाला हो सकता है, लेकिन सही मात्रा और समय का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। दिन में 2–3 कप चाय पर्याप्त है। खाली पेट, रात में या जरूरत से ज्यादा चाय पीने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। संतुलित मात्रा में और सही समय पर पीने से चाय के फायदे मिलते हैं, नुकसान नहीं।

## व्रत में पेट हो जाता है खराब तो खाने में शामिल करें यें खास आटा

नवरात्रि या अन्य व्रत के दौरान खानपान में अचानक बदलाव आ जाता है। लंबे समय तक खाली पेट रहना, या फिर ज्यादा तला–भुना व्रताहार खाना, पेट से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा सकता है। कई लोगों को व्रत के दौरान गैस, अपच, पेट फूलना और दर्द जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। ऐसे में सही खानपान अपनाना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आप भी व्रत के दौरान पेट खराब होने की समस्या से परेशान रहते हैं, तो अपनी थाली में एक खास आटा शामिल करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। डाइटीशियन के अनुसार, सिंघाड़े का आटा पाचन के लिए बेहद हल्का और लाभकारी होता है। जानें व्रत में क्यों फायदेमंद है सिंघाड़े का आटा।

पाचन को रखे दुरुस्त

सिंघाड़े का आटा पाचन के लिए बेहद हल्का और फायदेमंद माना जाता है। यह आसानी से पच जाता है, जिससे पेट पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता। व्रत के दौरान अक्सर लोगों को गैस, अपच और पेट फूलने की समस्या हो जाती है, लेकिन सिंघाड़े का आटा इन समस्याओं को कम करने में मदद करता है। यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और पेट को हल्का व आरामदायक महसूस कराता है, जिससे व्रत के दौरान भी आप स्वस्थ और एक्टिव बने रह सकते हैं।

शरीर में पानी जमा नहीं होने देता

सिंघाड़े का आटा शरीर में पानी जमा होने की समस्या को भी कम करने में मदद करता है। इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम कम होता है, जो शरीर के फ्लूड बैलेंस को बनाए रखने में सहायक होता है। यही कारण है कि इसे खाने से वॉटर रिटेंशन कम होता है और शरीर में सूजन या भारीपन महसूस नहीं होता, जिससे व्रत के दौरान भी आप हल्का और आरामदायक महसूस करते हैं।

एनर्जी का अच्छा स्रोत

व्रत के दौरान लंबे समय तक खाली पेट रहने से शरीर में कमजोरी और थकान महसूस होना आम बात है। ऐसे में सिंघाड़े का आटा एक बेहतरीन एनर्जी सोर्स साबित होता है। इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स और जरूरी मिनरल्स शरीर को तुरंत ऊर्जा देने में मदद करते हैं, जिससे आप दिनभर एक्टिव और फ्रेश महसूस करते हैं। यह न सिर्फ ऊर्जा की कमी को पूरा करता है, बल्कि व्रत के दौरान शरीर को संतुलित और मजबूत बनाए रखने में भी सहायक होता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

सिंघाड़े का आटा एंटीऑक्सीडेंट्स और जरूरी विटामिन्स से भरपूर होता है, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यह फ्री रेडिकल्स के असर को कम करता है और इम्यूनिटी को बेहतर बनाता है, जिससे शरीर बीमारियों से लड़ने में सक्षम रहता है। व्रत के दौरान जब खानपान सीमित हो जाता है, तब यह आटा शरीर को जरूरी पोषण देकर आपको स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है।

वजन कंट्रोल में मददगार

सिंघाड़े का आटा वजन को नियंत्रित रखने में भी मददगार होता है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है और बार–बार भूख लगने से रोकता है। इससे ओवरईटिंग की आदत कम होती है और कैलोरी इनटेक भी संतुलित रहता है। यही वजह है कि व्रत के दौरान इसे खाने से न सिर्फ पाचन सही रहता है, बल्कि वजन बढ़ने का खतरा भी कम हो जाता है।

ग्लूटन फ्री विकल्प

सिंघाड़े का आटा एक बेहतरीन ग्लूटन–फ्री विकल्प है, जो खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जिन्हें ग्लूटन से परेशानी होती है। यह पेट पर हल्का होता है और पाचन को प्रभावित किए बिना आसानी से शरीर में अवशोषित हो जाता है। व्रत के दौरान जब विकल्प सीमित होते हैं, तब सिंघाड़े का आटा एक सुरक्षित और पौष्टिक विकल्प बनकर सामने आता है, जिसे बिना किसी चिंता के अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है।

व्रत में कैसे करें शामिल?

व्रत के दौरान सिंघाड़े के आटे को कई तरह से अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है।

सिंघाड़े के आटे की रोटी

पूड़ी या पकौड़े

स्वादिष्ट हलवा।

ध्यान रखने वाली बातें

बहुत ज्यादा तला हुआ व्रताहार खाने से बचें

पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें

लंबे समय तक खाली पेट न रहें

हल्का और संतुलित भोजन करें।

व्रत के दौरान पेट खराब होना एक आम समस्या है, लेकिन सही खानपान से इसे आसानी से ठीक किया जा सकता है। सिंघाड़े का आटा न सिर्फ पचाने में आसान है, बल्कि यह शरीर को ऊर्जा और पोषण भी देता है। इसलिए अगली बार व्रत रखें तो अपनी थाली में इसे जरूर शामिल करें और पेट से जुड़ी परेशानियों से दूर रहें।

## संक्षिप्त

### पश्चिम एशिया तनाव की आंच अमेजन तक पहुंची, बहरीन में असरय कंपनी बोली- ड्रोन से चिंता

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब टेक्नोलॉजी सेक्टर पर भी दिखने लगा है। ई–कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने कहा है कि उसके अमेजन वेब सर्विसेज का बहरीन रीजन मौजूदा हालात के बीच बाधित हो गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह व्यवधान इलाके में ड्रोन गतिविधियों के कारण हुआ है। यह जानकारी रॉयटर्स की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में दी गई। हालांकि, कंपनी ने नुकसान की सीमा या सेवाएं पूरी तरह बहाल होने में लगने वाले समय को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि हालात लगातार बदल रहे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में काम कर रहे यूजर्स को अन्य लोकेशंस में शिफ्ट होते रहने की सलाह दी गई है। एडब्ल्यूएस, अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग यूनिट है, जो कई बड़ी वेबसाइट्स और सरकारी सेवाओं के संचालन के लिए बेहद अहम है। कंपनी के मुनाफे का बड़ा हिस्सा भी इसी से आता है। गौरतलब है कि अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष की शुरुआत के बाद यह दूसरी बार है जब बहरीन स्थित एडब्ल्यूएस रीजन ड्रोन हमले से प्रभावित हुआ है। इससे पहले इसी महीने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में एडब्ल्यूएस की सुविधाएं पावर आउटेज के कारण प्रभावित हुई थीं, जिन्हें बहाल करने की प्रक्रिया जारी थी। इन हमलों के दौरान आग लगने और इमरजेंसी सप्रेशन सिस्टम सक्रिय होने से पानी से भी नुकसान हुआ, जिसके चलते सेवाएं अस्थिर हुईं और कई जगह अस्थायी आउटेज देखने को मिला था। अमेजन ने उस समय चेतावनी दी थी कि भौतिक नुकसान के कारण सेवाओं को पूरी तरह बहाल करने में समय लग सकता है और ग्राहकों को डेटा बैकअप लेने व वर्कलोड अन्य रीजन में शिफ्ट करने की सलाह दी गई थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिम एशिया में संघर्ष तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर हमलों के बाद, तेहरान ने जवाबी कार्रवाई में ड्रोन और मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं, जिनका निशाना अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी देशों जैसे यूएई, सऊदी अरब और बहरीन को बनाया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अब टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर भी सीधे निशाने पर आ रहा है। एडब्ल्यूएस, जो दुनिया का सबसे बड़ा क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर है, लाखों एप्लिकेशन होस्ट करता है और कंपनियों व सरकारों का अहम डेटा संभालता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे डेटा सेंटर अब रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हो चुके हैं, इसलिए वे संभावित हमलों के लिए ज्यादा संवेदनशील भी बन गए हैं। इसका असर केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कई उद्योगों और डिजिटल सेवाओं पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

### चेयरमैन के इस्तीफे के बाद बाहरी जांच शुरू, गवर्नेंस पर उठे सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी में शीर्ष स्तर पर हुए घटनाक्रम ने कॉरपोरेट गवर्नेंस को लेकर नई बहस छेड़ दी है। बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी लॉ फर्म्स की नियुक्ति की है। बैंक के प्रवक्ता के अनुसार, यह कदम पूरी तरह से प्रोएक्टिव है, जिसका उद्देश्य इस्तीफे में बताए गए पहलुओं की स्वतंत्र, निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित समीक्षा करना है। प्रवक्ता ने कहा कि बैंक दशकों से अपनाए गए उच्चतम गवर्नेंस मानकों के अनुरूप खुद को लगातार परखता रहा है और यह पहल उसी दिशा में उठाया गया कदम है। गौरतलब है कि अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च से प्रभावी अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफे में बैंक के भीतर कुछ घटनाओं और प्रथाओं का हवाला दिया, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। 17 मार्च को लिखे अपने पत्र में उन्होंने साफ कहा कि पिछले दो वर्षों में देखी गई कुछ गतिविधियां उनके सिद्धांतों से मेल नहीं खातीं, और यही उनके इस्तीफे का मुख्य कारण है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसके अलावा इस्तीफे के पीछे कोई अन्य महत्वपूर्ण वजह नहीं है। चक्रवर्ती ने अपना इस्तीफा बैंक की गवर्नेंस, नॉमिनेशन और रेम्यूनरेशन कमेटी के चेयरमैन एच. के. भनवाला को संबोधित किया था। उनके इस कदम को बैंक के इतिहास में अभूतपूर्व माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार कोई पार्ट–टाइम चेयरमैन कार्यकाल के बीच में पद छोड़कर गया है। 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएस अधिकारी रहे चक्रवर्ती मई 2021 में बैंक के पार्ट–टाइम चेयरमैन बने थे। इससे पहले वह वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के सचिव और निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव रह चुके थे। उनका कार्यकाल 2024 में बढ़ाकर मई 2027 तक किया गया था। उनके कार्यकाल में ही एचडीएफसी लिमिटेड और एजडीएफसी बैंक के बीच ऐतिहासिक विलय पूरा हुआ, जो 1 जुलाई 2023 से प्रभावी हुआ। इस विलय के बाद बैंक का संयुक्त बैलेंस शीट आकार 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जिससे यह देश के सबसे बड़े वित्तीय संस्थानों में शामिल हो गया।

# क्या पहले खिताब का सपना पूरा होगा? लखनऊ के लिए मध्यक्रम चुनौती, राठी पर भी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। इसी कड़ी में हम आपको सभी टीमों का एनालिसिस करके बता रहे हैं। आज उस टीम के बारे में बात करेंगे, जो पहले खिताब की तलाश में है। हम बात कर रहे हैं लखनऊ सुपर जाएंट्स की। 2022 में अपने पहले सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद यह टीम कुछ खास नहीं कर सकी है। पिछले सीजन कप्तान से लेकर पूरी टीम बदली गई, लेकिन नतीजा कुछ खास नहीं रहा। हालांकि, इस बार इस टीम से काफी उम्मीदें हैं। टीम का टॉप ऑर्डर और तेज गेंदबाजी काफी मजबूत नजर आ रही है, लेकिन मध्यक्रम लखनऊ के लिए बड़ी समस्या बन सकता है। इस सीजन लखनऊ की सबसे बड़ी ताकत उनकी टीम की गहराई और अनुभव है, खासकर लीडरशिप और गेंदबाजी में। ऋषभ पंत के पूरे सीजन कप्तानी करने से टीम 2025 के मुकाबले ज्यादा संतुलित नजर आ रही है। तेज गेंदबाजी आक्रमण, जिसमें मोहम्मद शमी, एनरिक नॉर्त्जे, मयंक यादव और मोहसिन खान शामिल हैं, टीम को कई मजबूत विकल्प देता है। इसके अलावा विकल्प के तौर पर आकाश सिंह और नमन तिवारी और प्रिंस यादव जैसे विकल्प हैं।

बल्लेबाजी में टॉप ऑर्डर भी काफी मजबूत है, जहां मिचेल मार्श, मार्करम, निकोलस पूरन और ऋषभ पंत की चौकड़ी स्थिरता प्रदान करती है। वानिंदु हसरंगा और शहबाज अहमद निचले क्रम में गहराई जोड़ते हैं, जबकि दिग्वेश राठी अपनी विकेट लेने की क्षमता के चलते एक्स–फैक्टर साबित हो सकते हैं। राठी ने पिछले सीजन अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था। शाहबाज अहमद घरेलू टूर्नामेंट में पूरे सीजन में बल्लेबाजी में शानदार फॉर्म में रहे हैं। डेविड मिलर को रिलीज करने के बाद टीम के पास अनुभवी फिनिशर की कमी नजर आती है। जोश इंग्लिस

प्रतिभाशाली जरूर हैं, लेकिन वह स्वाभाविक फिनिशर नहीं माने जाते और वह सीजन के कुछ हिस्से में उपलब्ध भी नहीं रहेंगे। चार विदेशी खिलाने के चक्कर में उनकी जगह कैसे बनेगी, यह भी पता नहीं है, क्योंकि मार्श, मार्करम और पूरन का खेलना तय है। हसरंगा स्पिन और ऑलराउंड ऑप्शन देते हैं। मिडिल ऑर्डर अभी भी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है, जहां आयुष बदोनी और अब्दुल समद जैसे खिलाड़ियों पर अहम ओवरों में जिम्मेदारी हो सकती है।

इसके अलावा चोट की समस्या भी टीम के लिए चिंता का विषय है। मार्श, शमी, नॉर्त्जे और मयंक यादव जैसे खिलाड़ियों की फिटनेस टीम के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है। लखनऊ के लिए चिंता का विषय वानिंदु हसरंगा की फिटनेस भी होगी। हसरंगा अगर पूरी तरह से फिट हो जाते हैं, तो टीम को इससे संतुलन मिलेगा। हसरंगा को एनओसी तो मिल गई है, लेकिन वह फिटनेस क्लीयरेंस मिलने का इंतजार कर रहे हैं। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक लखनऊ को राठी के साथ ही स्पिन में जाना होगा। शहबाज और बदोनी अन्य स्पिन विकल्प होंगे।

आईपीएल 2026 लखनऊ के लिए पिछली असफलताओं से उभरने का बड़ा मौका है। युवा खिलाड़ी जैसे आयुष बदोनी, अक्षत रघुवंशी, मुकुल चौधरी और नमन तिवारी इस सीजन में खुद को साबित कर सकते हैं। इसके अलावा केन विलियम्सन और टॉम मूडी जैसे अनुभवी सलाहकार ऋषभ पंत की कप्तानी को और बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। तेज पिचों पर टीम का पेस अटैक विरोधियों पर भारी पड़ सकता है, वहीं टीम की एकजुटता उन्हें खिताब की दौड़ में आगे ले जा सकती है। पिछले सीजन यह दिखा चुके हैं कि मजबूत टीम होने के बावजूद जीत की गारंटी नहीं होती। अगर टीम की शुरुआत खराब रहती है, तो खिलाड़ियों का आत्मविश्वास प्रभावित हो सकता है। विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक निर्भरता भी जोखिम पैदा करती है, खासकर अगर वे उपलब्ध न हों या फॉर्म में न हों। साथ ही, टीम से उम्मीदें काफी ज्यादा हैं और अगर इस बार भी प्लेऑफ में जगह नहीं बनती, तो टीम की दीर्घकालिक रणनीति पर सवाल उठ सकते हैं। लखनऊ के लिए सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि उनका बल्लेबाजी क्रम विदेशी बल्लेबाजों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रहा है। पिछले सीजन भी यही कमजोरी टीम को काफी भारी पड़ी थी।

# आरसीबी को बड़ा झटका! टीम से नहीं जुड़ेंगे तेज गेंदबाज यश दयाल, क्यों लिया यह फैसला?

बंगलूरू,एजेंसी। आईपीएल 2026 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज यश दयाल इस सीजन में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। इस बात की पुष्टि आरसीबी के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट मो बोबट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। टीम जोश हेजलवुड के अनफिट होने की वजह से पहले ही जूझ रही थी, लेकिन अब यश के बाहर होने से बड़ा झटका लगा है। हेजलवुड शुरुआती कुछ मैच मिस कर सकते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मो बोबट ने कहा, यश दयाल इस सीजन आरसीबी का हिस्सा नहीं होंगे। वह व्यक्तिगत परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। वह अभी भी टीम के साथ अनुबंध में हैं और यह फैसला उनके हित में लिया गया है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट ने उनके बाहर होने के पीछे के सभी कारणों का विस्तार से खुलासा नहीं किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यश दयाल इस समय गंभीर कानूनी मामलों का सामना कर रहे हैं। उन पर यौन शोषण और उत्पीड़न के आरोप लगे हैं, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर भी असर डाला है। जयपुर में दर्ज एक मामले में आरोप पॉक्सो के तहत लगाए गए हैं, जो दर्शाता है कि शिकायतकर्ता घटना के समय नाबालिग थी। एफआईआर में आरोप है कि लंबे समय तक शोषण किया गया और क्रिकेट में अवसर दिलाने का लालच दिया गया। इसके अलावा गाजियाबाद में भी एक अलग मामला दर्ज है, जिसमें शादी का झांसा देकर शोषण करने के आरोप लगाए गए हैं।

24 दिसंबर 2025 को जयपुर की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने यश दयाल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा कि इस स्तर पर जमानत देना उचित नहीं होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि नाबालिग से जुड़े मामलों में अतिरिक्त संवेदनशीलता बरतना जरूरी है और उपलब्ध साक्ष्य आरोपों को गंभीर बनाते हैं। यश दयाल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज किया है। उनके वकील का कहना है कि यह संबंध आपसी सहमति से था और खिलाड़ी जांच में सहयोग करने को तैयार हैं। हालांकि अभियोजन पक्ष ने इस दलील का विरोध किया है। आईपीएल 2026 से ठीक पहले यश दयाल ने अपनी लंबे समय की पार्टनर श्वेता पुंडीर से शादी की।

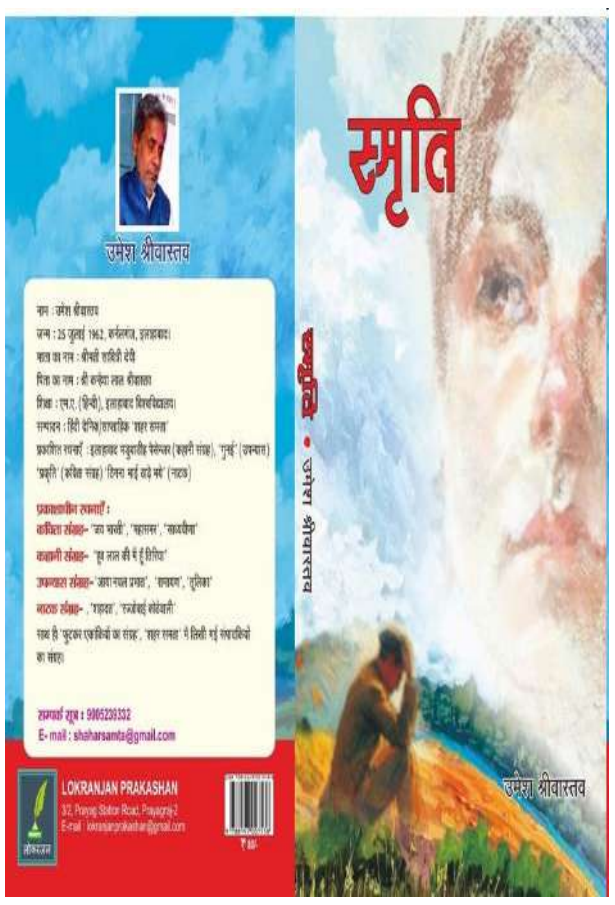


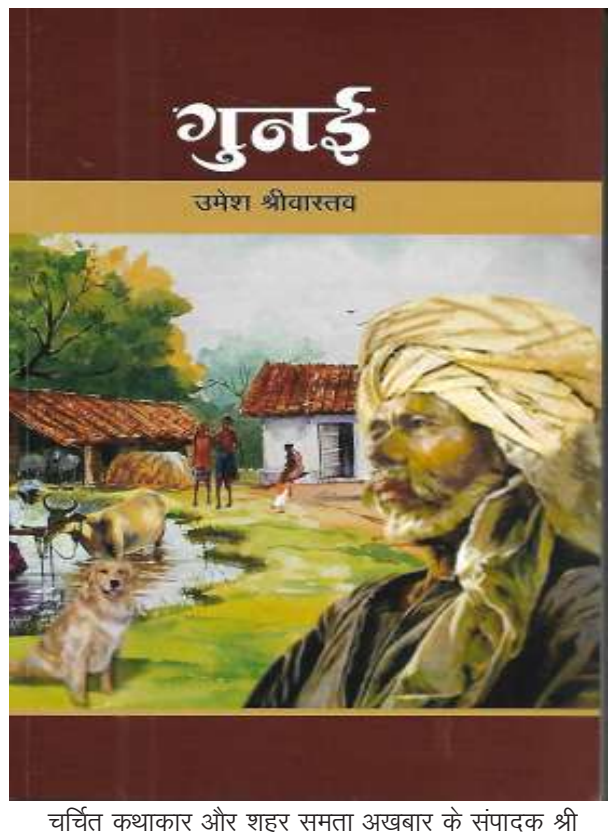


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

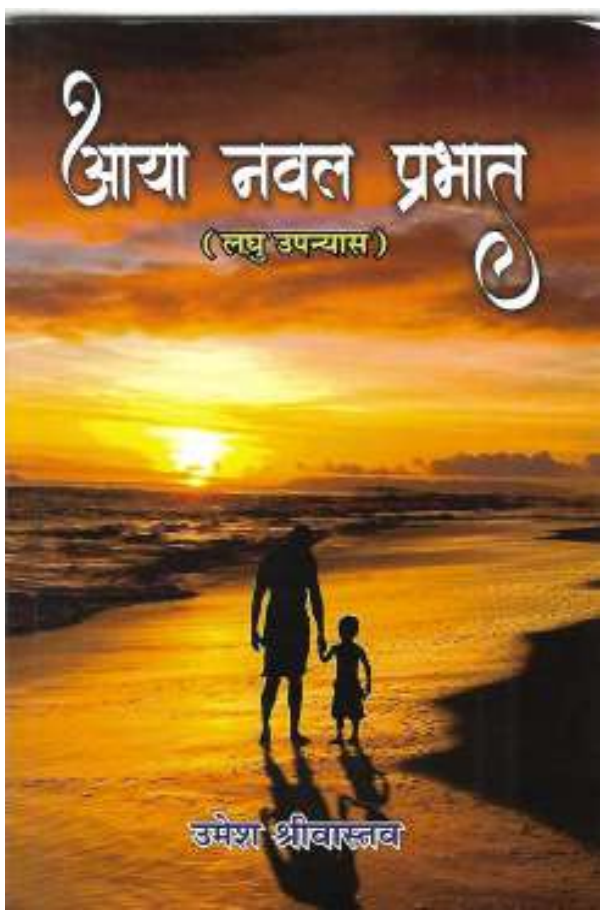


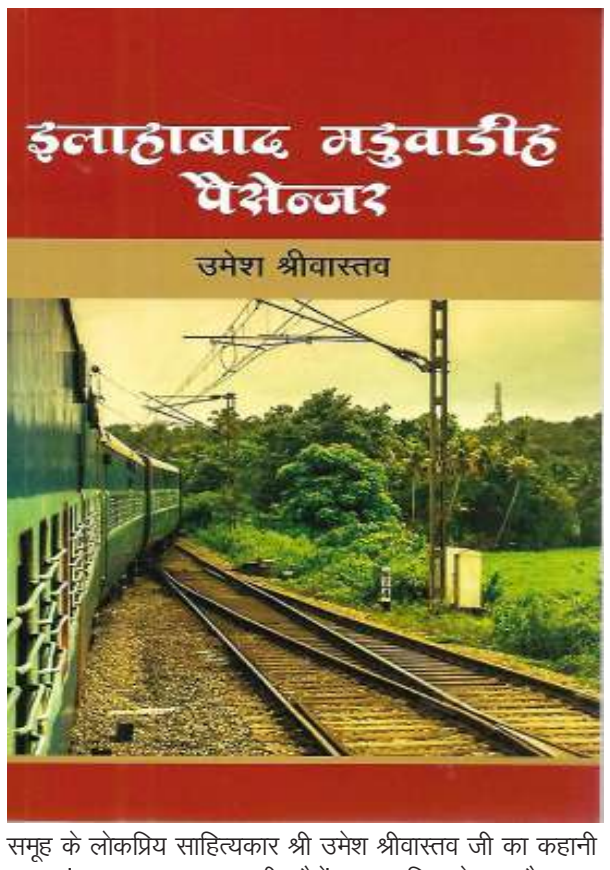


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

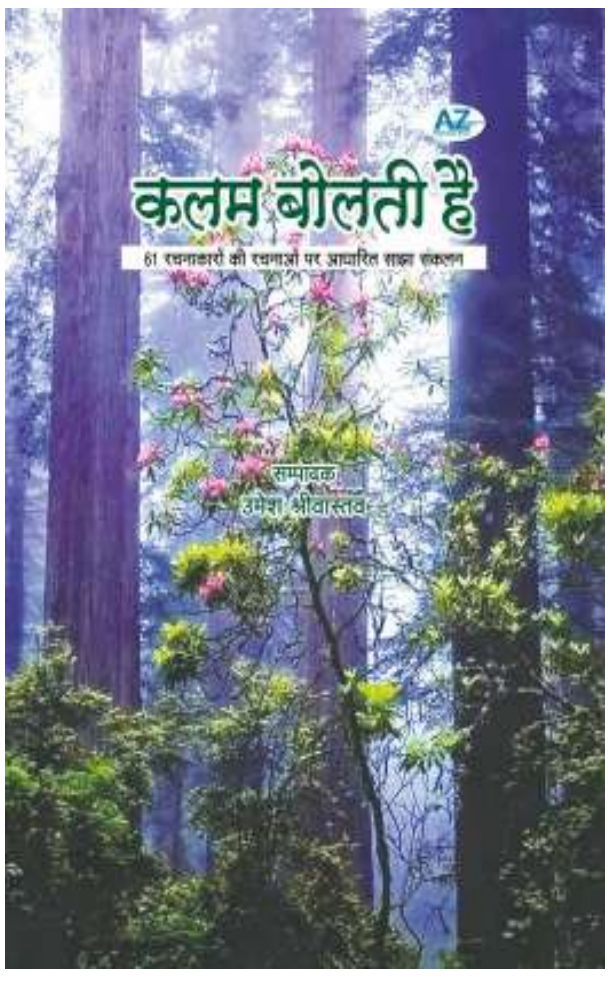


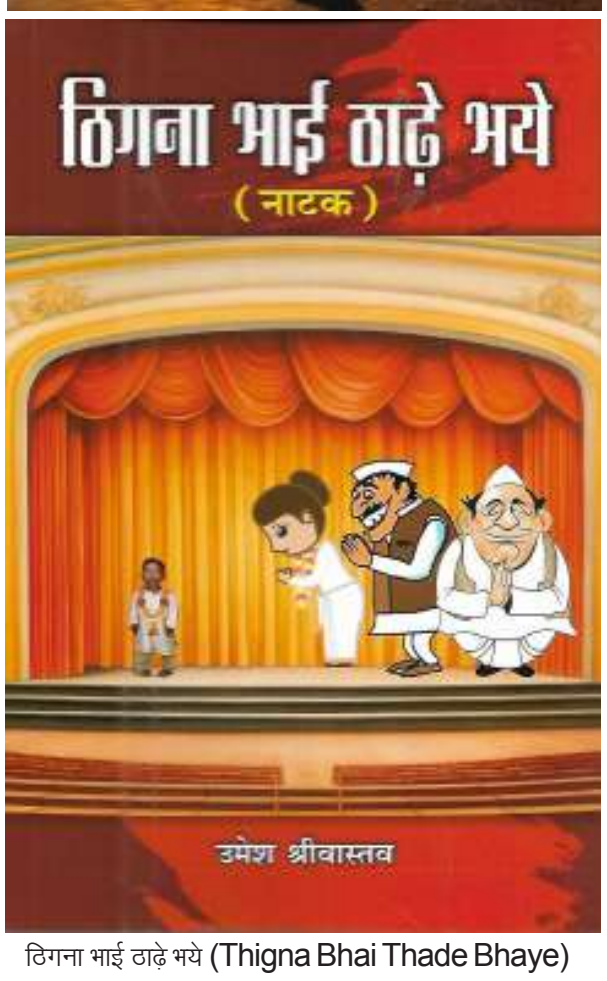


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# न्यूयॉर्क एयरपोर्ट हादसा: कैसे बहादुरी और सूझबूझ से बचीं कई जिंदगियां, कंट्रोलर ने मानी अपनी गलती

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क के लागार्डिया एयरपोर्ट पर हुए भयावह विमान हादसे में यात्रियों की सूझ–बूझ और हिम्मत ने कई जिंदगियां बचा लीं। एयर कनाडा का एक विमान रविवार रात को न्यूयॉर्क के लागार्डिया एयरपोर्ट पर एक फायर ब्रिगेड के ट्रक से टकरा गया था, जिसमें विमान के दोनों पायलटों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यात्रियों ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद विमान के अंदर धुएं और ईंधन की गंध फैल गई थी, ऐसे में यात्रियों ने खुद ही बचाव की कमान संभाली। हादसे में विमान का कॉकपिट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। ऐसे में यात्रियों ने विमान के इमरजेंसी दरवाजे खोले और विमान के पंखों से कूदकर बाहर निकले। साथ ही अन्य घायल यात्रियों को भी विमान से निकलने में मदद की। एक यात्री, क्लीमेंट लेवीरे ने बताया, श्अजीब बात है कि मुझे डर या घबराहट नहीं हुई। हममें से ज्यादातर लोग स्थिति को समझ चुके थे, इसलिए हमने मिलकर सभी को बाहर निकाला। कनाडा के मॉन्ट्रियल से न्यूयॉर्क आए इस विमान में सवार करीब 40 यात्रियों और क्रू मेंबरों के साथ फायर ट्रक के दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हुए। एक यात्री ने पायलटों के कौशल की सराहना करते हुए कहा कि लैंडिंग के समय उन्होंने जोरदार ब्रेक लगाए, जिससे कई जिंदगियां बच सकीं। हादसे में जान गंवाने वाले दोनों पायलट कनाडा के निवासी थे। रविवार देर रात हुआ यह हादसा तब हुआ जब फायर ट्रक को एक अन्य विमान की जांच के लिए भेजा गया था, जिसने तकनीकी कारण से टेकऑफ रद्द कर दिया था। इस दौरान एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को ऑडियो में फायर ट्रक को रुकने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है। एयरपोर्ट कंट्रोलर ने खुद को इस गलती के लिए जिम्मेदार ठहराया है और ये माना कि उससे आपात स्थिति संभालने के दौरान गलती हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, हादसे के समय एयर ट्रैफिक और ग्राउंड मूवमेंट के बीच समन्वय की जांच अहम होगी। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने कहा कि एयरपोर्ट पर स्टाफ पर्याप्त है, लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी बनी हुई है। जांचकर्ताओं ने विमान के कॉकपिट और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर को बरामद कर लिया है, जिन्हें विश्लेषण के लिए वॉशिंगटन भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन जल्द ही और जानकारी सामने आएगी। इस हादसे के कारण लागार्डिया एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा, जिससे उड़ानों पर व्यापक असर पड़ा। सोमवार दोपहर बाद एक रनवे से सेवाएं बहाल हुईं, लेकिन लंबी देरी का सामना करना पड़ा। एयरलाइन के मुताबिक, विमान में 72 यात्री और चार क्रू मेंबर सवार थे। यह उड़ान मॉन्ट्रियल से रवाना हुई थी। कनाडा ने भी जांच के लिए अपनी टीम भेजी है।

## संक्षिप्त

### टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद

मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है। यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि श्टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटीश की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की–दरवाजे बंद रखें। वैलेरो की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी में लगभग 770 कर्मचारी काम करते हैं और इसकी क्षमता प्रतिदिन लगभग 4,35,000 बैरल तेल संसाधित करने की है। यह प्लांट कच्चे तेल से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन तैयार करता है। गौरतलब है कि यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और गैस की कीमतों में पहले से ही भारी उछाल देखा जा रहा है। फिलहाल वैलेरो कंपनी की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

### पश्चिम एशिया के संघर्ष में सऊदी–यूएई भी कूदेंगे! आईआरजीसी ने कहा- ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस का 78वां दौर शुरू

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध चौथे सप्ताह में पहुंच गया है लेकिन स्थिति कहीं से भी सामान्य होती नहीं दिख रही है। एक तरफ ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों की एक नई और भीषण लहर शुरू की है। वहीं दूसरी तरफ सऊदी अरब और यूएई जैसे देश भी अब इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने की तैयारी करते दिख रहे हैं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने मंगलवार को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के 78वें चरण की घोषणा की। इसके तहत इस्राइल के डिमोना, तेल अवीव और ईलाट जैसे अत्यधिक संवेदनशील ठिकानों के साथ–साथ पूरे क्षेत्र में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इन हमलों में इमाद और काद्र (मल्टी–वारहेड) मिसाइल प्रणालियों और हमलावर ड्रोनों का इस्तेमाल किया है। आईआरजीसी का दावा है कि हालिया हमलों में डिमोना और अराद शहर में 200 से अधिक लोग हताहत हुए थे। दूसरी ओर वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के संकेत दिए हैं। सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने किंग फाहद एयर बेस तक पहुंच प्रदान करने पर सहमति जताई है, जबकि पहले वह अपने एयर बेस के इस्तेमाल से इनकार करता रहा था। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी ने ईरान के सैन्य अताशे और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। वहीं, यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है, जो तेहरान के लिए अहम माने जाते थे। यूएई की हवाई रक्षा प्रणाली भी ईरानी हमलों को रोकने में जुटी है। कुछ वीडियो से यह भी संकेत मिले हैं कि ईरान पर हमलों के लिए बहरीन से मिसाइलें दागी गई थीं।

### 'ईरान और हिजबुल्ला पर जारी हैं हमल', ट्रंप से बातचीत के बाद बोले इस्राइली पीएम नेतन्याहू

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप का मानना है कि ईरान में अमेरिका–इजरायल की सैन्य बढ़त को एक ऐसे बातचीत वाले समझौते में बदला जा सकता है जो इस्राइल के हितों की रक्षा करे। पीएम नेतन्याहू ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए कहा ष्राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि आईडीएफ (इस्राइल रक्षा बल) और अमेरिकी सेना की जबरदस्त सफलताओं का लाभ उठाकर युद्ध के उद्देश्यों को एक ऐसे समझौते में बदला जा सकता है, जो हमारे महत्वपूर्ण हितों की रक्षा करेगा। हम हर परिस्थिति में अपने महत्वपूर्ण हितों की रक्षा करेंगे।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227


# ईरान में जंग किसने शुरू की ?: ट्रंप ने हेगसेथ पर फोड़ा ठीकरा, रक्षा मंत्री की तरफ इशारे के मायने क्या

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब अपने चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू करने के फैसले की जिम्मेदारी अपने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ पर डाल दी है। टेनेसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप के एक बयान ने वाशिंगटन के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। दरअसल सोमवार को मेम्फिस सेफ टास्क फोर्स की एक बैठक में ट्रंप ने संकेत दिया कि हेगसेथ उनके प्रशासन के पहले वरिष्ठ अधिकारी थे जिन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का सुझाव दिया था। ट्रंप ने अपने बगल में बैठे हेगसेथ की ओर इशारा करते हुए कहा, श्पीट, मुझे लगता है कि आप सबसे पहले बोलने वाले व्यक्ति थे और आपने कहा था, श्चलो यह करते हैं क्योंकि आप उन्हें परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकतेश्। ट्रंप ने आगे बताया कि ऑपरेशन को मंजूरी देने से पहले उन्होंने हेगसेथ, जनरल केन और कई अन्य महत्वपूर्ण लोगों को फोन किया था। फरवरी के अंत में शुरू हुए इस युद्ध का उद्देश्य ईरान के मिसाइल कार्यक्रम, ड्रोन उत्पादन और नौसैनिक शक्ति को नष्ट करना बताया गया है। पीट हेगसेथ इस युद्ध के सबसे प्रमुख चेहरे के रूप में उभरे हैं। वे नियमित रूप से पेंटागन में मीडिया को ब्रीफिंग दे रहे हैं और अमेरिकी सैन्य उद्देश्यों का बचाव कर रहे हैं। हाल ही में जब उनसे युद्ध की समयसीमा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कोई निश्चित तारीख बताने से इनकार कर दिया और कहा कि मिशन सही रास्ते पर है और ट्रंप ही इसके अंत का फैसला करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, युद्ध शुरू करने के फैसले पर ट्रंप प्रशासन के भीतर गहरे मतभेद थे। ट्रंप ने स्वीकार किया था कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस अभियान को लेकर बहुत उत्साहित नहीं थे। दूसरी ओर कथित तौर पर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और मीडिया मुगल रूपर्ट मर्डोक जैसे लोग अमेरिका पर सैन्य कार्रवाई के लिए दबाव बना रहे थे। इन आंतरिक तनावों का पहला बड़ा परिणाम तब दिखा जब नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के पूर्व प्रमुख जो केंट ने पिछले हफ्ते अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वे इस युद्ध के विरोध में इस्तीफा देने वाले पहले वरिष्ठ अधिकारी हैं। चार हफ्तों के इस संघर्ष में अब तक भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, युध्द में ईरान के 1,500 से अधिक, लेबनान में 1,000 से अधिक, इस्राइल में 15 और अमेरिका के 13 सैनिक मारे गए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा है कि प्रशासन युद्ध समाप्त करने और श्स्ट्रेट ऑफ होर्मुजश को फिर से खोलने के लिए बातचीत की संभावनाएं तलाश रहा हैं। उन्होंने कूटनीति के लिए ईरान को दी गई समयसीमा 5 दिन के लिए बढ़ा दी है, हालांकि ईरानी अधिकारियों ने किसी भी तरह की बातचीत होने से साफ इनकार किया है।

# 'रूस दे रहा है ईरान को खुफिया मदद, हमारे पास इस बात के सबूत', जेलेंस्की ने किया बड़ा दावा

कीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बड़ा दावा किया है। मंगलवार को जेलेंस्की ने कहा कि उनके पास इस बात के पुख्ता

सबूत हैं कि रूस, ईरान को युद्ध के लिए खुफिया जानकारी (इंटेलिजेंस सपोर्ट) मुहैया करा रहा है। जेलेंस्की के अनुसार, रूस की यह मदद ईरान को युद्ध में टिके रहने में मदद कर रही है और इससे संघर्ष और लंबा खिंच रहा है। इस बात के सबूत मिले हैं कि रूसी सरकार ईरानी शासन को खुफिया सहायता दे रहा है। यह स्पष्ट रूप से विनाशकारी है और इसे रोकना आवश्यक है, क्योंकि इससे केवल अस्थिरता ही बढ़ती है। बाजार पहले से ही नकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं और इससे कई देशों में उर्जा जरूरत की स्थिति गंभीर हो रही है। ईरानी शासन को सत्ता में बने रहने और अधिक सटीक हमले करने में मदद करके, रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है। इसका जवाब देना होगा। इसी बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बात की। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने फारस की खाड़ी में अमेरिका और इस्राइल की आक्रामकता के कारण बिगड़ते हालात पर चर्चा की। उन्होंने इस संघर्ष के कैस्पियन क्षेत्र तक फैलने की आशंका पर भी चिंता जताई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि, सर्गेई लावरोव ने ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे हमलों से वहां तैनात रूसी कर्मियों की सुरक्षा को खतरा पैदा होगा और इससे पूरे क्षेत्र के लिए विनाशकारी पर्यावरणीय परिणाम हो सकते हैं। दूसरी ओर, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की है। नेतन्याहू ने कहा कि वे एक ऐसे समझौते के माध्यम से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करेंगे जो इस्राइल के महत्वपूर्ण हितों की रक्षा करेगा। इसके साथ ही हम मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर रहे हैं, और हिज्बुल्लाह पर लगातार गंभीर हमले कर रहे हैं। कुछ ही दिन पहले, हमने दो और परमाणु वैज्ञानिक को भी मार गिराया। हम किसी भी हालत में अपने जरूरी हितों की रक्षा करेंगे।

# ईरान से जंग में ट्रंप ने क्यों लिया यू-टर्न? भारी खर्च, तेल संकट और अंतहीन युद्ध का डर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 36 घंटे पहले ही ईरान को पूरी तरह बर्बाद करने की धमकी दी थी,

अचानक युद्ध–विराम और सार्थक बातचीत की ओर मुड़ गए। दरअसल, ट्रंप अपने ही जाल में फंस गए हैं। अचानक क्या हो गया, आइए जानते हैं इसे... इस युद्ध में अमेरिका को रोजाना करीब 1.38 अरब डॉलर खर्च करना पड़ रहा है। शुरुआती 6 दिनों में ही 11.3 अरब डॉलर और अगले 12 दिनों में 16.5 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। पेंटागन ने 200 अरब डॉलर से अधिक की राशि और मांगी है। इसे कांग्रेस यानी संसद से पारित कराना होगा, जिसके पारित होने की उम्मीद कम है। कायर एवं कागजी शेर जैसे संबोधन सुनने के बाद भी नाटो समेत सहयोगी देश साथ नहीं आए। 22 देशों ने होर्मुज पर समन्वय के लिए हस्ताक्षर किए। किसी ने युद्धपोत नहीं भेजे। कतर में एलएनजी बंद होने व पांच साल तक अप्रत्याशित संकट से यूरोप में गैस की कीमतें 35: बढ़ गईं। जापान को रणनीतिक भंडार निकालना पड़ा। विचलित अमेरिका चीन व रूस को मजबूत करता है। तेल दबाव का मुख्य बिंदु है... खाड़ी देशों में अशांति के मायने हैं, कीमतों में भारी उछाल। दुनियाभर में असर दिखने लगा है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर होने लगा है। ताइवान करीब 97 प्रतिशत ऊर्जा आयात करता है। उसका एलएनजी भंडार सिर्फ 11 दिन का है। कतर वैश्विक हीलियम का एक तिहाई हिस्सा आपूर्ति करता है, जिसकी सेमीकंडक्टर की चिप बनाने में जरूरत होती है। हीलियम होर्मुज के पीछे संग्रहित है। उर्वरकों का भी संकट होगा। हर एनवीडिया जीपीयू, हर एपल चिप, हर एआई क्लस्टर हिसनचू स्थित निर्माण संयंत्र पर निर्भर है, जहां गैस की उपलब्धता कुछ ही दिन की है। ऊर्जा रोटेशन के कारण तकनीक ठप होने से सात प्रमुख देशों को अरबों का नुकसान हुआ है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, नौ देशों में 40 ऊर्जा भंडार युद्ध में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। वैश्विक तेल आपूर्ति रोज 11 मिलियन बैरल घटी। यह 1970 के संकटों से अधिक गंभीर है। कोई देश अछूता नहीं।

### ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन इराक में अमेरिकी नागरिकों पर कर रहे हमले, यूएस ने जारी की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन इराक में अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े ठिकानों पर व्यापक हमले कर रहे हैं। विभाग ने अपने नागरिकों को तत्काल इराक छोड़ने की सलाह दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक बयान में कहा गया, श्इराक में ईरान समर्थित उग्रवादियों ने अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े लक्ष्यों पर व्यापक हमले किए हैं, जिनमें इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र भी शामिल है। अमेरिकी नागरिक तुरंत इराक छोड़ दें। इराक में अमेरिकी मिशन नागरिकों की सहायता के लिए खुला है। बयान में आगे कहा गया कि मौजूदा सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास या एरबिल स्थित वाणिज्य दूतावास जाने की कोशिश न करें, क्योंकि इराकी हवाई क्षेत्र में मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट हमलों का खतरा बना हुआ है। सभी नियमित कांसुलर सेवाएं, जिसमें वीजा सेवाएं भी शामिल हैं, फिलहाल निलंबित हैं। आपात स्थिति में अमेरिकी नागरिकों को संबंधित ईमेल के जरिए संपर्क करने की सलाह दी गई है। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों की इराक की यात्रा न करने की चेतावनी भी दोहराई है और कहा है कि किसी भी कारण से इराक की यात्रा न करें, और यदि वहां मौजूद हैं तो तुरंत देश छोड़ दें। इससे पहले शनिवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों के लिए वैश्विक चेतावनी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि ईरान समर्थक समूह अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना सकते हैं। चेतावनी में कहा गया, श्दुनियाभर में, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिक अतिरिक्त सतर्कता बरतें। विदेश में रह रहे अमेरिकी नागरिक नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। समय–समय पर हवाई क्षेत्र बंद होने से यात्रा प्रभावित हो सकती है।

### कोलंबिया विमान हादसे में 66 की मौत, कई अभी भी लापता, राहत और बचाव कार्य जारी

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के अमेजन क्षेत्र में स्थित पुटुमायो प्रांत के प्यूर्टो लेगुइजामो शहर में सोमवार को एक बड़ा सैन्य विमान हादसा हो गया। यह विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कुल 128 लोग सवार थे, जिनमें ज्यादातर सैनिक शामिल थे। कोलंबिया की सेना के प्रमुख जनरल ह्यूगो एलेजांद्रो लोपेज बैरेटो ने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में अब तक कम से कम 66 सैनिकों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार सैन्य कर्मी अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। कोलंबिया की सेना ने करीब 66 जवानों की मौत की पुष्टि की है। इससे पहले कोलंबिया के प्यूर्तो लेगीजामो शहर के मेयर ने विमान हादसे में 34 जवानों की मौत की बात कही थी। मीडिया रिपोर्ट्स में 20 से ज्यादा जवानों के लापता होने की बात कही गई है। वायुसेना ने बताया कि हरक्यूलिस ब–130 विमान में 121 लोग सवार थे, जिनमें 110 सैनिक और 11 क्रू सदस्य शामिल थे। यह विमान सोमवार को टेक–ऑफ के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने कोलंबिया के पुटुमायो स्थित प्यूर्टो लेगुइजामो से उड़ान भरी थी लेकिन कुछ ही देर बाद वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

दुर्घटना का शिकार हुआ विमान अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित हरक्यूलिस सी–130 परिवहन विमान था। दुर्घटना के चलते सैन्य परिवहन विमान में ले जाया जा रहा गोला–बारूद और विस्फोटक भी फट गए, जिससे हादसे में भारी नुकसान हुआ और बचाव कार्य भी मुश्किल हो गया।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।